सूर्योदय : 06.26 बजे
सूर्यास्त : 05.34 बजे
बुधवार, 23 नवम्बर 2022
वर्ष-2-अंक 326
मूल्य 2 पृष्ठ 8
e-mail: aknewstv2@gmail.com
RNI TITLE CODE : UPHIN49345

हिन्दी दैनिक
अमर ख्याल
जुनून सच का
(महमूदाबाद) सीतापुर से प्रकाशित

भारत में नौकरियों की संभावनाएं बढ़ रही हैं : प्रधानमंत्री मोदी

विश्व में युवाओं के सामने नए अवसरों का संकट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कोविड महामारी और यूक्रेन युद्ध के चलते विश्व में पैदा हुई कठिन आर्थिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि पूरे विश्व में युवाओं के सामने नए अवसरों का संकट है लेकिन भारत में सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों ही क्षेत्रों में नई नौकरियों की संभावना लगातार बढ़ रही है। युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 लाख कर्मियों के लिए भर्ती अभियान रोजगार मेला के तहत मंगलवार को 71,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपें और कहा कि युवाओं को रोजगार देने का यह सिलसिला अनवरत जारी रहेगा।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कुल 71,056 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्रों की भौतिक प्रतियां गुजरात और हिमाचल प्रदेश को छोड़कर देश के 45 स्थानों पर सौंपी गई।

मोदी ने कहा, बड़ी बात ए कि नए अवसर युवाओं के लिए उनके अपने शहर, अपने गांवों में बन रहे हैं। इससे युवाओं के सामने अब पलायन की मजबूरी कम हुई है और वो अपने क्षेत्र के विकास में पूरा सहयोग भी कर पा रहे हैं।

राजग शासित राज्यों में डबल इंजन की सरकार का डबल फायदा

स्टार्ट-अप्स से लेकर स्वरोजगार तक, अंतरिक्ष से लेकर ड्रोन तक, आज भारत में युवाओं के लिए चौतरफा नए अवसरों का निर्माण हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार नौकरियां उपलब्ध कराने के लिए मिशन मोड में काम रही है और पिछले एक महीने से इसी प्रकार के अभियान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में भी चलाए जा रहे हैं। यही डबल इंजन की सरकार का डबल फायदा है। देश के युवाओं को रोजगार मेले के माध्यम से नियुक्त पत्र देने का ए अभियान ऐसे ही अनवरत जारी रहेगा। ज्ञात हो कि डबल इंजन की सरकार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव प्रचार अभियान का प्रमुख मुद्दा है। गुजरात-हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इसे जोर शोर से उठाया भी है।

युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में ज्यादा से ज्यादा उपयोग में आए

प्रधानमंत्री ने युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत बताया और कहा कि युवाओं की प्रतिभा और उनकी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में ज्यादा से ज्यादा उपयोग में आए, इसे केंद्र सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। कोरोना वैश्विक महामारी और यूक्रेन-रूस युद्ध का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि पूरे विश्व में युवाओं के सामने नए अवसरों का संकट है।उन्होंने कहा, ऐसे समय में अर्थशास्त्री और विशेषज्ञ ए कह रहे हैं कि भारत के पास अपनी आर्थिक सामर्थ्य दिखाने और नए अवसरों को बढ़ाने का एक स्वर्णीम मौका है। आज भारत सर्विस एक्सपोर्ट्स के मामले में विश्व की बड़ी महाशक्ति बन गया है और अब तो विशेषज्ञ भी भरोसा जता रहे हैं कि भारत विनिर्माण के क्षेत्र में विश्व का पावर हाउस बनेगा।

ख़ास ख़बर

पारदर्शिता मोदी सरकार की कुंजी : रेल मंत्री

जयपुर । रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि पारदर्शिता केन्द्र की नरेंद्र मोदी नीत सरकार की कुंजी है। वैष्णव मंगलवार को अजमेर में आयोजित रोजगार मेला कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वैष्णव ने कहा कि इस केन्द्र सरकार में हर महीने लगभग 16 लाख रोजगार सृजन हो रहा है और पारदर्शिता मोदी सरकार की कुंजी है। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया में आर्थिक संकट की स्थिति में भी भारत संभावनाओं से भरे एक ऊर्जा स्रोत के रूप में उभर कर आया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की योजनाओं से आज हर वर्ग की ज़िंदगी आसान हुई है। युवाओं से राष्ट्र प्रथम सदैव प्रथम का मंत्र अपनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में उन्हीं लोगों ने विजय प्राप्त की जिन्होंने हमेशा अपने कर्तव्य में राष्ट्र को प्रथम रखा।

गुजरात: मुकाबले में 1,621 उम्मीदवार

अहमदाबाद। गुजरात में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन वापस लेने की समय सीमा समाप्त होने के बाद कुल।,621 उम्मीदवार मैदान में हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य की 182 सदस्ईय विधानसभा के लिए दो चरणों में एक और पांच दिसंबर को चुनाव होंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि दूसरे चरण में जिन 93 सीट पर चुनाव होंगे, उनमें 833 उम्मीदवार मैदान में हैं। दूसरे चरण के लिए नाम वापसी का आखिरी दिन सोमवार था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पहले चरण के चुनाव में 89 सीट के लिए 788 उम्मीदवार मैदान में हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सभी 182 सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि कांग्रेस ने 179 सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि उसने चुनाव पूर्व गठबंधन के तहत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को तीन सीट आवंटित की हैं। लेकिन राकांपा उम्मीदवार के देवगढ़ बरिया सीट से अपना नामांकन वापस लेने के साथ, पार्टी दो सीट पर चुनाव लड़ रही है।

मेघालय सीमा पर हिंसा के मामले में जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपेगी असम सरकार

■ गुवाहाटी

असम सरकार ने छह मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा भी की है।

असम सरकार ने मंगलवार को कहा कि वह पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले में मेघालय के साथ राज्य की विवादित सीमा पर हिंसा के मामले में जांच किसी केंद्रीय या तटस्थ एजेंसी को सौंपेगी। हिंसा में छह लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने घटना में कथित रूप से शामिल पुलिस और वन्य अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का भी आदेश दिया है जिसमें कार्बी आंगलोंग के पुलिस अधीक्षक का तबादला शामिल है। असम के वन कर्मियों ने मंगलवार तड़के करीब तीन बजे मुकरु इलाके में एक ट्रक को रोका था जो कथित रूप से अवैध तरीके से काटी गईं लकड़ियां लेकर जा रहा था। इसके बाद भड़की हिंसा में छह लोगों की मौत हो गई जिनमें असम का एक वन कर्मी और मेघालय के पांच नागरिक शामिल थे।

असम-मेघालय सीमा पर हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हुई

वेस्ट कार्बी आंगलोग जिले में असम-मेघालय सीमा पर कथित तौर पर अवैध लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक को मंगलवार तड़के असम के वनकर्मियों द्वारा रोकने के बाद भड़की हिंसा में एक वन कर्मी सहित छह लोगों की मौत हो गई।

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को टैग करते हुए एक ट्वीट में शिकायत की है कि असम पुलिस और वनकर्मी मेघालय में घुसे और बिना उकसावे के गोलीबारी करनी शुरू कर दी।

जंग लगी केबल, ढीले बोल्ट से मोरबी पुल के मरम्मत कार्य की खामियां उजागर होती हैं

■ मोरबी

गुजरात के मोरबी में पिछले महीने मच्छु नदी पर बने झूलते पुल की मरम्मत के समय जंग लगी केबल, टूटे लंगर पिन और ढीले बोल्ट सहित अन्य खामियों को दूर नहीं किया गया। फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की शुरुआती जांच से यह खुलासा हुआ है। पुल टूटने की घटना में 135 लोगों की मौत हो गई थी। एफएसएल रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि धातु के नए फर्श ने पुल का वजन बढ़ा दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मरम्मत करने वाले दोनों ठेकेदार भी इस तरह की मरम्मत और नवीनीकरण कार्य करने के लिए योग्य नहीं थे। पुलिस ने 30 अक्टूबर को हुए हादसे के लिए अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें चार ओरेवा समूह के हैं। आरेवा समूह ब्रिटिशकालीन झूलता पुल का प्रबंधन कर रहा था। अभियोजन पक्ष ने सोमवार को आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रहे मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश पी सी जोशी की अदालत में साक्ष्य के तौर पर प्राथमिक एफएसएल रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिला सरकारी वकील विजय जानी ने कहा, रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि जिस केबल पर पूरा पुल लटका हुआ था, उसमें जंग लग गया था। जमीन पर केबल जोड़ने वाले एंकर पिन टूट गए थे जबकि एंकर पर लगे बोल्ट तीन इंच ढीले थे।

जांच में खुलासा

ऑस्ट्रेलियाई संसद में भारत के साथ व्यापार समझौते को मंजूरी

पीएम मोदी ने जताया आभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (आईए-ईसीटीए) को आस्ट्रेलियाई संसद से मंजूरी मिलने के बाद मंगलवार को उसका आभार जताया और कहा कि इससे दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूती मिलेगी।

ऑस्ट्रलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस ने एक ट्वीट में प्रधानमंत्री मोदी को टैग करते हुए कर यह जानकारी दी कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते को वहां की संसद ने मंजूरी दे दी है।इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी ने ट्वीट किया, धन्यवाद प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीस। आईए-ईसीटीए में प्रवेश का उद्योग समुदाय द्वारा जोरशोर से स्वागत किया जाएगा और इससे भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूती मिलेगी।

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में मौत के संबंध में राजस्थान सरकार को एनएचआरसी का नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में काम करते समय दो मजदूरों की मौत से संबंधित खबर को लेकर राजस्थान सरकार, राज्य के पुलिस प्रमुख और जयपुर विकास प्राधिकरण को नोटिस जारी किए हैं। एनएचआरसी ने कहा कि पुलिस के एक अधिकारी ने उनमें से एक मजदूर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया और एक अस्पताल में उसका इलाज किया जा रहा है। एनएचआरसी ने मीडिया में आई एक खबर का संज्ञान लिया है, जिसमें कहा गया है कि 18 नवंबर को राजस्थान के कलवार क्षेत्र में जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के 25 फुट गहरे कुएं में लीकहुई वाल्व की मरम्मत करते समय दो मजदूरों की मौत हो गई थी।

महंगाई और बेरोजगारी आज देश में सबसे बड़ी समस्याएं बनकर उभरी हैं : गहलोत

■ जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज पूरे देश में महंगाई और बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्याएं बनकर उभरी हैं। गहलोत ने मंगलवार को चित्तौड़गढ़ में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमाओं का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 149 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में कहा, आज पूरे देश में महंगाई और बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्याएं बनकर उभरी हैं। परन्तु राजस्थान में राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्तमान कार्यकाल में अब तक 1.25 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी हैं और लगभग इतने ही पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि एक लाख सरकारी नौकरियों के लिए भर्ती की घोषणा की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद आई सरकारों ने भारत के लोकतंत्र को सशक्त करने का काम किया और उसी का परिणाम है कि देश में संविधान लागू होने के साथ ही महिलाओं को मताधिकार मिला, जबकि अन्य लोकतंत्रों में इसमें काफी समय लगा।

उन्होंने कहा कि भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी एक महान नेता के रूप में देश के समक्ष उभरीं और अपने प्राणों का उत्सर्ग कर देश की अखंडता की रक्षा की। उन्होंने कहा कि देश के लिए बलिदान देने वाले नेताओं का सभी को सम्मान करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सकारात्मक सोच के साथ हर वर्ग की प्रगति के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से आमजन को महंगे इलाज की चिंता से मुक्ति मिली है।

बैनर आधारित पार्टी आप को हार का सामना करना पड़ेगा : नड्डा

■ अहमदाबाद

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) को गुजरात विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ेगा क्योंकि यह बैनर आधारित पार्टी है जबकि भाजपा कैडर आधारित पार्टी है। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार जेठा भारवाड के समर्थन में पंचमहल जिले के शेहरा कस्बे में प्रचार अभियान के दौरान दावा किया कि गुजरात चुनाव खत्म होने के बाद आप नेता गुजरात छोड़ देंगे।

नड्डा ने कहा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गोवा में हाल फिलहाल में आप हार गई। उसके उम्मीदवार हिमाचल प्रदेश में सभी 67 सीटों पर जमानत जब्त कराएंगे। गुजरात में भी उनका ऐसा ही हश्र होगा। शेहरा और 92 अन्य सीटों पर मतदान पांच दिसंबर को दूसरे चरण के तहत होगा।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, आप को हार का सामना करना पड़ेगा क्योंकि वह बैनर आधारित पार्टी है जो चुनावों के दौरान केवल बैनर लगा सकती है जबकि हमारी कैडर आधारित पार्टी है जो लोगों की सेवा करने में यकीन रखती है।

उन्होंने कांग्रेस पर अन्य पिछड़ा वर्गों और आदिवासियों के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाने का भी आरोप लगाया। नड्डा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने ही जमीनी स्तर पर असल में आपकी हालत बदली। मोदी ने ही एक आदिवासी महिला को पहली बार इस देश का राष्ट्रपति बनाया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने हमेशा ओबीसी के साथ राजनीतिक की है। कई आयोग गठित किए गए लेकिन कुछ नहीं हुआ। मोदी ने राष्ट्रीय ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया।

कांग्रेस ने एनसीपीसीआर के समक्ष शिकायत दर्ज करवाई

■ नई दिल्ली

कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि उसने गुजरात विधानसभा चुनाव के प्रचार में कथित तौर पर बच्चों का इस्तेमाल किए जाने को लेकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के समक्ष शिकायत दर्ज कराई और कार्रवाई की मांग की।

पार्टी की सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने आयोग के प्रमुख प्रियंक कानूनगो के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है और आयोग एवं अदालत के कुछ आदेशों एवं आचार संहिता का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री और भाजपा ने कानूनों का उल्लंघन किया है। उधर, इस बारे में प्रतिक्रिया के लिए संपर्क करने पर कानूनगो से संपर्क नहीं हो सका। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यह कानून के उल्लंघन का स्पष्ट मामला है और अब एनसीपीसीआर और निर्वाचन आयोग के लिए परीक्षा की घड़ी है।

शिकायत में कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भाजपा से जुड़े कुछ ट्विटर हैंडल पर प्रधानमंत्री मोदी और एक बच्ची का वीडियो साझा किए जाने का उल्लेख किया गया और दावा किया गया है कि चुनाव प्रचार में बच्चों का इस्तेमाल किया गया है। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के उस ट्वीट को रीट्वीट करते हुए निशाना साधा था, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक बच्ची का वीडियो साझा किया है।

इस ट्वीट में प्रधान ने कहा था,देश का बच्चा बच्चा जनता है कि देश प्रधानमंत्री जी के हाथ में ही सुरक्षित है, केवल मोदी जी ही सबका ख़्याल रख सकते हैं। सुनिए गुजरात की यह नन्ही बेटी क्या संदेश दे रही है।

इस पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा था,प्रधानमंत्री द्वारा छोटे बच्चे का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए किया जा रहा है। यह क़ानून का खुला उल्लंघन है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के लिए कानून नहीं होने का फायदा उठाना तकलीफदेह

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को निर्वाचन आयुक्तों और मुख्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कोई कानून नहीं होने का फायदा उठाए जाने की प्रवृत्ति को तकलीफदेह करार दिया। अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 324 के विषय को उठाया जिसमें निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के बारे में कहा गया है। अदालत ने कहा कि इसके अलावा, उसने इस संबंध में संसद द्वारा एक कानून बनाने की परिकल्पना की थी, जो पिछले 72 वर्षों में नहीं किया गया है, जिसके कारण केंद्र द्वारा इसका फायदा उठाया जाता रहा है। अदालत ने कहा कि 2004 से किसी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने छह साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया है और संप्रग सरकार के 10 साल के शासन में छह मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे, वहीं राजग सरकार के आठ साल में आठ मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे हैं।

जरा हट के... बग्गा

क्लाइमेट चेंज | जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई 2023) के अनुसार, भारत ने दो स्थानों की छलांग लगाई

जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन के आधार पर भारत शीर्ष पांच देशों में

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन के प्रदर्शन के आधार पर भारत को विश्व के शीर्ष पांच देशों में शुमार किए जाने के साथ ही जी-20 देशों में भारत को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। जर्मनी के जर्मन वॉच, न्यू क्लाइमेट इंस्टीट्यूट एंड क्लाइमेट एक्शन नेटवर्क इंटरनेशनल द्वारा प्रकाशित जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई 2023) के अनुसार, भारत ने दो स्थानों की छलांग लगाई है और अब यह 8वें स्थान पर है।

सीसीपीआई का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ाने के साथ ही इसे जलवायु संरक्षण प्रयासों एवं अलग-अलग देशों द्वारा की गई प्रगति की तुलना करने में सक्षम बनाना है। ऊर्जा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, जलवायु परिवर्तन के प्रदर्शन के आधार पर भारत को विश्व के शीर्ष पांच देशों में एवं जी-20 देशों में सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। नवंबर 2022 में सीओपी-27 में जारी सीसीपीआई की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक, डेनमार्क, स्वीडन, चिली और मोरक्को जैसे चार छोटे देश क्रमशः चौथे, पांचवें, छठे और सातवें स्थान पर रहे। इसके मुताबिक, किसी भी देश को पहला, दूसरा और तीसरा स्थान नहीं दिया गया। इसलिए, सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे अच्छे पायदान पर रहा।वर्ष 2005 के बाद से प्रतिवर्ष प्रकाशित होने वाला यह सूचकांक 59 देशों और यूरोपीय संघ के जलवायु संरक्षण प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए एक स्वतंत्र निगरानी उपकरण है।सीसीपीआई ने भारत को शीर्ष 10 स्थानों में एकमात्र जी-20 देश के रूप में रखा है। केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने कहा कि भारत की जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई) श्रेणी महामारी और चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल के बावजूद वैश्विक जलवायु परिवर्तन का समाधान निकालने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिखाए गए नेतृत्व का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर शीर्ष पाचवां स्थान पाना यह दर्शाता है कि भारत अब विश्व में किसी भी देश की तुलना में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के कार्यक्रमों को बहुत तेज गति से लागू कर रहा है।

क्लाइमेंट चेंज के प्रभावों से जूझ रहे देशों की मदद

यह पर्यावरण सम्मेलन कॉप-27 की सफलता ही है कि क्लाइमेंट चेंज के प्रभावों से जूझ रहे देशों की मदद के लिये अमीर देश मुआवजा देने को राजी हुए हैं। बेशक,भारत जो दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में तीसरे स्थान पर है, उसे भी इस मुआवजे का लाभ मिल सकेगा। यह समझौता 14 दिन चली बहस के बाद अस्तित्व में आया है। जिसमें निर्णय हुआ है कि अमीर देश एक कोष बनाएंगे, जिससे जलवायु परिवर्तन के त्रास से प्रभावित देशों में बाधित विकास को गति देने का काम किया जायेगा। कई धनी देशों द्वारा फंड बनाने के मार्ग में बाधा डालने के बावजूद विकासशील देश अपने मकसद में कामयाब हुए हैं। इन अग्रणी देशों में भारत समेत एशियाई देश, ब्राजील, अफ्रीका तथा लैटिन अमेरिकी देश शामिल थे। इन देशों ने यहां तक चेतावनी दे दी थी कि यदि इस फंड को लेकर सहमति नहीं बनती तो इसे सम्मेलन की विफलता माना जाना चाहिए। निस्संदेह, अफ्रीकी देश मिस्र में आयोजित सम्मेलन में यह कदम उन अफ्रीकी देशों के लिये राहतकारी साबित हो सकता है जो पिछले तीन सालों से सूखे की मार झेल रहे हैं। हालांकि, एक साल तक इस फंड के क्रियान्वयन को लेकर विचार-विमर्श होगा, लेकिन आगामी वर्षों के लिये राहतकारी रहेगा। वर्ष 2020 तक गरीब-विकासशील देशों को हर साल सौ बिलियन डॉलर देने का वायदा था। यदि घोषणा सिरे चढ़ी होती तो पूर्वी अफ्रीका में ग्लोबल वार्मिंग के चलते खाद्य संकट से जूझते पौने दो करोड़ लोगों को राहत मिलती। अब तक जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर हुई वार्ताओं में ग्रीन हाउस गैसों को कम करने व ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से बचाव पर ही जोर रहता था, लेकिन अब ठोस राहत पर सहमति हुई है। तार्किक है कि औद्योगिकीकरण से ज्यादा फायदा उठाने वाले देश ग्लोबल वार्मिंग से प्रभावित देशों की मदद को राजी हुए हैं। इन देशों में अतिवृष्टि, सूखे, चक्रवाती तूफानों, भूस्खलन, ग्लेशियरों के पिघलने व वनों की आग की घटनाओं में तेजी आई है। ऐसे में प्रभावित उन देशों को मदद देने की मांग की जाती रही है जिनकी कार्बन उत्सर्जन में ज्यादा भूमिका नहीं रही है।

> क्लाइमेंट चेंज के प्रभावों से जूझ रहे देशों की मदद के लिये अमीर देश मुआवजा देने को राजी हुए हैं। भारत जो दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में तीसरे स्थान पर है, उसे भी इस मुआवजे का लाभ मिल सकेगा। यह समझौता 14 दिन चली बहस के बाद अस्तित्व में आया है।

वैदिक विचार —स्वामी विद्यानंद 'विदेह'

वह

स पर्यगाच्छुक्रमकायमव्रणमस्नाविरं शुद्धमपापविद्धम्।
कविर्मनीषी परिभूः स्वयम्भूर्याथातथ्यतो अर्थान् व्यदधाच्छाश्वतीभ्यः।

य 40.8

समष्टि सृष्टि में सर्वत्र नियम है। यह सूर्य नियम से तप रहा है। चन्द्रकलाएं नियमानुसार घट-बढ़ रही हैं। लोक-लोकांतरों का भ्रमण, धारण सुनिश्चित नियमों से ही हो रहा है। जहां जाइए, जिस पदार्थ को देखिए, सर्वत्र नियम विद्यमान है। प्रत्येक गति और घटना नियमानुकूल हो रही है। परमाणु परमाणु में नियम कार्य कर रहा है। नियम बिना नियंता के नहीं हो सकता। जहां नियंता होता है वहीं नियम होता है। जहां नियंता नहीं होता वहां नियम और व्यवस्था का अभाव होता है क्योंकि सृष्टि में नियम है अतः नियंता है। क्योंकि सृष्टि में सर्वत्र नियम है अतः नियंता सर्वत्र है। क्योंकि नियंता है और सर्वत्र है अतः नियम है और सर्वत्र है। वह नियंता सर्वत्र समाया हुआ है, सर्वव्यापक है। व्यापक व्याप्य से सूक्ष्म होता है। जो सूक्ष्म होता है वही व्यापता है। वह नियंता सर्वातिसूक्ष्म है। अतएव आत्म-अनात्म, अणु-महत्, जड़-चेतन, सबमें समाया हुआ है। सूक्ष्म स्थूल से अधिक शक्तिमान होता है। सूक्ष्म स्थूल का प्रेरक होता है। वह सर्वातिसूक्ष्म है अतः सर्वशक्तिमान और सर्वसंचालक है। वह नियंता सर्वशक्तिमान है, सर्वप्रेरक है। व्याप्य साकार और व्यापक निराकार होता है। आकाश व्यापक है अतः निराकार है।

आज का विचार —डॉ. विनोद दीक्षित

इंद्रिय संयमन एक सतत प्रक्रिया है

इंद्रियों का निग्रह अर्थात संयमन का नाम ही दम है। वेदांत में उल्लेख प्राप्त होता है-द्धमनो निग्रह- शम-इंद्रिय निग्रह दम-दम या इंद्रियों का संयमन कोई तात्कालिक क्रिया नहीं है। जिस तरह बटन दबाने पर बिजली चली जाती है और आ जाती है वैसा इंद्रियों के साथ नहीं होता है।यह एक सतत अभ्यास का परिणाम होता है ताकि हमारा स्वभाव वैसा ही बन जाए। इंद्रियां मन की अनुगामिनी होती है ।मन जो चाहता है वह इंद्रियां करती है ।मनुष्य की सभी इंद्रियां भोग उन्मुख रहती है और भोग की कोई सीमा नहीं होती है। इसलिए आवश्यक है कि जीवन में नियंत्रित रूप से भोगों को स्वीकार करें। ईश्वर समर्पण करके उसके प्रसाद के रूप में इन सब को स्वीकार करना ही कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। आज का दिन आपके लिए मंगलमय एवं कल्याणकारी हो। जय श्री राधे।

पत्र मिला

वीर सावरकर का अपमान

कांग्रेस द्वारा अपने सत्ता निर्वासन को समाप्त करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। जो कांग्रेस की तड़पन को दूर करने के लिए अपरिहार्य भी है। लेकिन कभी कभी इस यात्रा के दौरान ऐसा भी लगने लगता है कि इस यात्रा का मूल उद्देश्य भारतीय समाज को जोड़ने के लिए नहीं, बल्कि समाज में बिखराव पैदा करना ही है। अगर यात्रा का उद्देश्य वास्तव में ही समाज को जोड़ने के लिए होता तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कम से कम वीर सावरकर के बारे में अनुचित टिप्पणी करने से परहेज करते, लेकिन राहुल गांधी ने ऐसा नहीं किया। इसके पीछे कांग्रेस के कौन-से निहितार्थ हैं? यह कांग्रेस के नेता ही जानते होंगे, लेकिन इतना अवश्य है कि महाराष्ट्र में वीर सावरकर पर निशाना साधने के कुछ मायने हैं।कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अंग्रेजों का नौकर बताने वाला बयान देना निश्चित ही महाराष्ट्र की जनता को उकसाने वाला ही था।

प्रदीप माखीजा,नई दिल्ली

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र नई दिल्ली होगा। प्रकाशित सामग्री या विज्ञापन से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्रवाई या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की जा सकती है।

भारतीय श्रमशक्ति की विसंगतियों के दंश

ऑनिन्द्यो चक्रवर्ती
लेखक आर्थिक मामलों के विश्लेषक हैं।

गरीब मुल्कों में लोग कमाईयुक्त रोजगार पाने के लिए बेकरार हैं। अक्सर वे अपने बच्चों को नौकरी करने की वैध 15 साल उम्र पाने से पहले ही कमाने के लिए भेजने लगते हैं। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संस्थान (आईएलओ) का कहना है कि निम्न आय वाले देशों में कामकाजी आयु वर्ग का औसतन 66 प्रतिशत भाग या तो काम में लगा है या तलाश में है, वहीं अधिक आय श्रेणी वाले मुल्कों में यह औसत 60 फीसदी है। कारण समझा जा सकता है- उम्र कोई भी हो, गरीबों को काम करना पड़ता है जबकि अमीर यदि चाहे तो एक आयु के बाद श्रमसाध्य रोजगार से किनारा करना गवारा कर सकता है।

भारत की बात करें तो, हालात और गंभीर हैं। भारत में कुल कामकाजी जनसंख्या का केवल 46 प्रतिशत हिस्सा काम करने का इच्छुक है। यह डाटा आईएलओ का है और सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनोमी (सीएमआइई) के आंकड़े और ज्यादा चौंकाते हैं। फरवरी, 2020 में, कोविड-19 से पहले, सिर्फ 44 फीसदी लोग काम करना चाहते थे। अक्तूबर, 2020 में यह संख्या गिरकर 40 फीसदी रह गई। इसका मतलब काम करने लायक भारतीयों का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा या तो कमाई वाले रोजगार में लिप्त नहीं है या फिर करना ही नहीं चाहता।

इसके पीछे एक बड़ा कारण यह है कि कामकाजी आयु वर्ग की बहुत कम भारतीय महिलाएं नौकरीपेशा होना चाहती हैं। आईएलओ का डाटा हमें बताता है कि 1990 से 2006 के बीच कामकाजी वर्ग की लगभग 32 प्रतिशत महिलाएं श्रमशक्ति में भागीदार थीं- मायने, या तो उनके पास सवैतनिक काम था या फिर तलाश रही थीं। 2019 तक यह अनुपात गिरकर महज 22 फीसदी रह गया। सीआईएमई डाटा और भी कम संख्या बताता है, इसके मुताबिक फरवरी, 2020 में, कोविड लॉकडाउन से पहले, कामकाजी महिला आयु वर्ग का सिर्फ 12 प्रतिशत हिस्सा या तो रोजगार सहित था या ढूंढ़ रहा था और अक्तूबर माह में यह आंकड़ा और गिरावट के बाद 10 फीसदी रह गया। चीन से तुलना करें तो वहां कामकाजी आयु वर्ग की 69 प्रतिशत औरतें श्रमशक्ति का हिस्सा हैं।

अर्थशास्त्र के तथाकथित 'माहिर' भारतीय श्रमशक्ति में महिलाओं की इतनी कम भागीदारी की व्याख्या करते वक्त इसको हमारी बढ़ती अमीरी से जोड़ रहे हैं। इनका कहना है कि रिवायती तौर पर भारतीयों को अपनी महिलाओं का घर से बाहर जाकर काम करना पसंद नहीं, लेकिन जब पैसा जरूरत बन जाए तो कोई और विकल्प भी नहीं। इसलिए, जैसे-जैसे भारतीय लोग गरीबी से उठने लगे, महिलाओं ने घर से बाहर निकलकर काम करना बंद कर दिया और गृहिणी बनने को तरजीह देने लगीं। हमें यह भी बताया जा रहा है कि बढ़ती समृद्धि से गरीबों में 'संस्कृति के प्रति चेतना' बढ़ने लगती है, जैसे-जैसे वे आय का उच्चतर स्तर पाने लगते हैं, वैसे-वैसे उनकी औरतें अधिक रूढ़िवादी होने लगती हैं।

लेकिन पेश किए जा रहे इस गुलाबी मंजर में दो झोल हैं। पहला, ऐसा कोई प्रमाण नहीं है, जो सिद्ध करता हो कि आय के एकदम निचली श्रेणी के परिवारों की आमदनी वर्ष 2005-06 के बाद बढ़ी हो (तब तक श्रमशक्ति में भारतीय महिलाओं की संख्या काफी अधिक थी)। बल्कि जो भी सुबूत हैं, वह बताते हैं कि हालत उलटे बदतर होती गई। दूसरा, यदि बहुत कम महिलाएं नौकरीपेशा होना चाहती हैं, तब तो फिर बाकियों के लिए रोजगार पाना बहुत आसान हो जाता। लेकिन हकीकत एकदम उलट हैङ्क सीएमआईई के अक्तूबर माह के नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि महिला बेरोजगारी दर बहुत अधिक यानी 30 फीसदी है, जो कि मर्दों की 8.6 प्रतिशत दर से लगभग 3 गुणा से भी ज्यादा है। इसका मतलब कि कामकाजी आयु वर्ग में प्रत्येक 100 महिलाओं में केवल 10 रोजगार की तलाश करती हैं और उनमें केवल 7 को ही सवैतनिक नौकरी मिल पाती है।

वास्तव में, महिलाएं इसलिए नौकरी नहीं ढूंढ़ती क्योंकि वे पाने की आस खो चुकी हैं। परंतु जब वे गृहिणी बन जाती हैं तो पारिवारिक आय गिर जाती है, लिहाजा घरेलू खर्च में कटौती करनी पड़ती है। यह स्थिति महिला रोजगार के लिए दोहरी मार है। निम्न मध्यवर्ग परिवार में यदि कोई औरत घर से बाहर जाकर नौकरी करती है तो हो सकता है घरेलू कामों में मदद के लिए अल्प-कालिक नौकर-सहायक रख ले। लेकिन जब वह खुद नौकरी में न हो तो सबसे पहली मार घरेलू नौकर के रोजगार पर पड़ेगी। अक्सर यह बेरोजगार हुई महिला है, जिससे आगे बेरोजगारी बढ़ती है। दूसरी ओर मर्दों का क्या हाल है? 2019 में, कोविड की आमद से पहले, आईएलओ के आंकड़े के अनुसार भारतीय पुरुष कामकाजी आयुवर्ग का 73 फीसदी श्रमशक्ति में भागीदार था, यह संख्या निम्न-मध्य आय वाले मुल्कों के 74 प्रतिशत वाले औसत से नाममात्र कम थी। सीएमआईई का पुरुष श्रमशक्ति डाटा बताता है कि 2019 के मध्य तक आंकड़ा 72-73 फीसदी के बीच रहा, जोकि अक्तूबर, 2022 में घटकर 66 प्रतिशत रह गया।

कोविड काल से पहले, फरवरी 2020 से अक्तूबर, 2022 के बीच भारत में कामकाजी पुरुष जनसंख्या में 4.6 करोड़ का इजाफा हुआ था। लेकिन श्रमशक्ति में भागीदारी पहले जितने रही, लिहाजा अतिरिक्त 3.3 करोड़ मर्द नौकरी तलाश रहे थे। चूंकि नौकरियों की गिनती में केवल 13 लाख की वृद्धि रही, नतीजतन लगभग 3.2 करोड़ पुरुष बेरोजगार रहे।

इसके लिए सबसे संभावित व्याख्या यह हो सकती है कि भारत में गरीबों के लिए जिस किस्म के रोजगार उपलब्ध हैं, वह करने की शारीरिक सामर्थ्य उनमें नहीं है। देश में कुल रोजगार का लगभग तीन-चौथाई भाग कृषि, निर्माण और व्यापार क्षेत्र से है। इन तीनों में ही वेतन बहुत कम है और दो में तो मेहनत कमरतोड़ करनी पड़ती है। यूरोप का अध्ययन बताता है कि यदि एक किसान आठ घंटे काम करे तो लगभग 4500 कैलोरी खर्च करता है जबकि इसी अवधि में निर्माण कार्य में लगे मजदूर को 4000 कैलोरी की जरूरत है। भारत में निर्माण कार्य अधिक श्रमसाध्य है और इसके लिए कहीं ज्यादा खुराक-ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। यह मात्रा ग्रामीण अंचल के भारतीयों के लिए खाद्य विशेषज्ञों द्वारा अनुशंसित 2400 कैलोरी से कहीं अधिक है।

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) का अनुमान है कि 16 प्रतिशत भारतीय कुपोषण का शिकार हैं, अर्थात्? श्रमशक्ति में लगे गरीबों की बड़ी संख्या को सख्त मेहनत के अनुपात में जितनी कैलोरी की अनुशंसा विशेषज्ञ करते हैं, उसका आधा भी नहीं मिलता। वे किसी तरह मुफ्त के राशन या अन्य सरकारी अथवा गांववालों की मदद पर जी रहे हैं। यह एक दुष्चक्र है :सरकारी राशन से केवल सामान्य काम करने लायक कैलोरी मिलती है, लेकिन गरीबों के नसीब में ऐसी नौकरियां हैं कहां? पौष्टिकता जरूरतों को पूरा करने वाली खुराक उनकी वास्तविक जरूरत के मुताबिक नाकाफी होती है। इसलिए उनके पास स्थाई तौर पर उस सहायता पर निर्भर होने के सिवा कोई चारा नहीं है जिसे मीडिया 'मुफ्तखोरी' बताता है।

यह स्थिति उस राह से एकदम विपरीत है, जिसका सपना भारत ने आजादी पाते वक्त देखा था। बजाय इसके कि कारखानों में श्रमिकों का काम हाड़तोड़ शारीरिक मेहनत की बजाय यांत्रिकी-आधारित तंत्र से सरल बनता, आज भी ज्यादातर कामों में सख्त शारीरिक श्रम करना पड़ता है।

इससे निकलने का एकमात्र रास्ता यह है कि यदि सरकार अर्थव्यवस्था को उच्चतर रोजगार प्रदाता, बेहतर कार्यस्थल परिस्थिति और रोजगारोन्मुख तंत्र बनाना चाहती है तो फौरी मुनाफा बनाने की प्रवृत्ति त्यागनी होगी। यह किए बगैर अधिकांश लोगों के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था 'किसी प्रकार जी रहे हैं' वाली बनी रहेगी।

किसने क्या कहा...

अपराध, अपराधियों के खिलाफ कड़े रुख से उत्तर प्रदेश में उद्योग के लिए सुरक्षा का भाव आया : आदित्यनाथ

सावरकर और हिंदुत्व जैसे वैचारिक मुद्दों से समझौता नहीं कर सकते : संजय राउत

भारत–ब्रिटेन मुक्त व्यापार करार शीर्ष प्राथमिकता, अगले दौर की वार्ता दिसंबर में : पीयूष गोयल

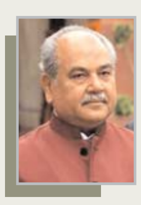

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने के लिए : नरेन्द्र सिंह तोमर

कार्टून...

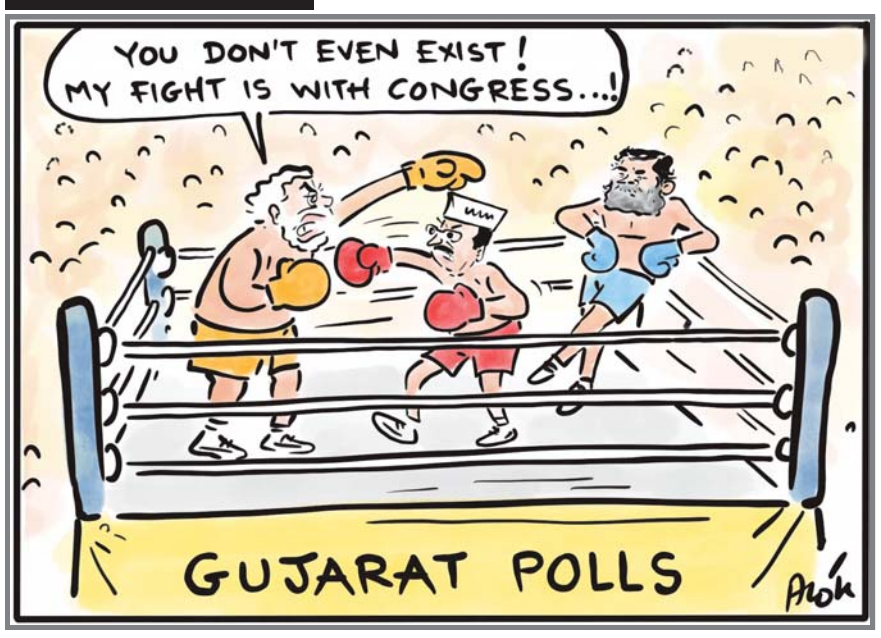

भारत की उन्नति और स्वाधीनता सेनानियों की सोच

नजरिया
उमेश चतुर्वेदी

क्या भारत वर्ष की वैसी उन्नति हो पाई, जैसा कि भारतेंदु ने अपने इस निबंध में सोचा था। इस निबंध के पढ़े जाने के ठीक 63 साल बाद भारत आजाद हुआ। आजादी के 75 साल बीत चुके हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या भारतेंदु के संदेशों को बदले भारत ने ग्रहण किया।उत्तर प्रदेश के बलिया में गुरु पूर्णिमा के दिन से विख्यात ददरी मेला लग चुका है। पशुओं में लंपी वायरस से हो रहे रोग की वजह से प्राचीन काल से जारी पशु मेला इस बार नहीं लगा। ऐसा व्यवधान कोरोना काल में भी लगा, जब मेला लगा ही नहीं। महर्षि भृगु के शिष्य दर्दर मुनि का शुरू किया मेला पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में काफी प्रसिद्ध है। हर मेले संस्कृति और परंपराओं की विरासत को सहेजे हुए हैं।

लेकिन दर्दरी के साथ भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के साथ ही नवजागरण के इतिहास में बड़ा योगदान रहा है। इतिहास भले ही विगत का दस्तावेज होता है। अपने तथ्यों के साथ यह अपनी मौजूदगी वह लगातार बनाए रखताहै। लेकिन उसके साथ एक खामी है। अगर उस पर किसी वजह से अनदेखी की परतें चढ़ने लगे तो वह विस्मृति की गर्त में समाने लगता है। ददरी मेले के साथ भी जुड़ा एक तथ्य ऐसा है, जिसकी जानकारी अकादमिक जगत से बाहर कम ही है। जिस पर विस्मृति की धूल लगातार चढ़ती जा रही है।

हिंदी इलाकों में नवजागरण की शुरुआत भले ही बंगाल के साथ जुड़ाव के चलते हुई, लेकिन उसे विस्तार भारतेंदु हरिश्चंद्र के प्रयासों से कहीं ज्यादा हुआ। भारतेंदु की कोशिशों की वजह से उन्नीसवीं सदी के आखिरी दिनों में हिंदी के विकास को गति तो मिली ही, हिंदी साहित्य और पत्रकारिता का भी विस्तार और विकास हुआ। लेकिन भारतेंदु का इतना ही योगदान नहीं है। तब साहित्य, पत्रकारिता और किंचित राजनीति एक-दूसरे की सहयोगी थीं। उनके बीच आज की तरह स्पष्ट सीमा रेखा नहीं थी। यही वजह दौर है, जब भारत में नवजागरण के जरिए राष्ट्रीयता और राष्ट्रबोध आधुनिक स्वरूप ग्रहण कर रहा था। इसे आगे बढ़ने और लोक चेतना को प्रोत्साहित करने के साथ ही उसे बढ़ाने में भारतेंदु युग के साहित्यकारों-पत्रकारों की गंभीर भूमिका रही। भारतेंदु ने इस दौर में अपनी वैचारिकी को बढ़ावा देने के लिए कुछ पत्रिकाएं भी निकालीं। 'हरिश्चंद्र चंद्रिका' उन्हीं में से एक पत्रिका थी। इसी पत्रिका के दिसंबर 1884 के अंक में उनका एक निबंध प्रकाशित हुआ था, 'भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है'। बेशक तब पत्रिकाओं का प्रसार और उनकी पहुंच कम थी, साक्षरता भी कम थी। लेकिन इस एक निबंध ने उस दौर को जितना प्रभावित किया, उतना असर कम ही रचनाओं का होता है। इस निबंधन में तत्कालीन भारत का गौरवशाली अतीत भी है तो उसका बदहाल वर्तमान भी है। साथ ही यह निबंध भावी भारत को मजबूत और गौरवशाली बनाने के सूत्र भी सुझाता है।

इस निबंध पर चर्चा से पहले यह सवाल उठना लाजमी है कि ददरी मेले में यह मंच सजता कब है? ददरी मेला गुरु पूर्णिमा के दिन शुरू होता है। इस संदर्भ में पद्मपुराण के एक शास्त्रोक्त तथ्य का हवाला दिया जाता है। इसके अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन जब भगवान सूर्य तुला राशि में होते हैं, तब विमुक्त क्षेत्रङ्क भृगु दर्दर क्षेत्र बलिया में पाप मोचन शक्ति प्राप्त करने के लिए यहां की पवित्र नदी पर तमाम देवता आ जाते हैं। इसके साथ ही तमाम तीर्थ अपने वर्षों तक लोगों के स्नान करने से मिले पापों को इस विमुक्त क्षेत्र में धोकर नये पापों का मोचन करने की शक्ति यहां से लेकर अपने-अपने क्षेत्रों में लौटते हैं। जो पुण्य काशी में तपस्या करते हुए मृत्यु और रणभूमि में वीरगति प्राप्त करने से जो पुण्य और मोक्ष प्राप्त होता है, वैसा ही पुण्य कलियुग में दर्दर क्षेत्र के गंगा- तमसा संगम पर स्नान से मिलता है। यही वजह है कि महर्षि भृगु के शष्यि दर्दर मुनि ने यहां गंगा और तमसा के संगम पर स्नान की परंपरा शुरू की और मेला शुरू किया गया। इस मेले का जिक्र चीनी यात्री फाह्यान के लेखों में भी मिलता है। बहरहाल इसी मेले में एक सांस्कृतिक मंच तैयार किया जाता है। जिस पर हर रात कोई न कोई सांस्कृतिक और संगीत का कार्यक्रम होता है। इस मंच पर कवि सम्मेलन, मुशायरा, बिरहा गान आदि के आयोजन होते हैं। व्याख्यान की परंपरा खत्म हो गई है।

इसी मंच पर भारतेंदु ने नवंबर 1884 की किसी तारीख को अपना विख्यात निबंध पढ़ा था। इस निबंध के लिखे-पढ़े के 136 साल हो गए हैं। भारतेंदु ने जब भारत वर्षोन्नति के विकास को लेकर अपने विचार व्यक्त किए थे, तब भारत परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। तब यह भी ज्ञात नहीं था कि भारत अंग्रेजी गुलामी से कब आजाद होगा। बेशक तब आजादी का सपना था, लेकिन उसके पूरे हो पाने की साफ मियाद तय नहीं थी। लेकिन भारत में नवचेतना फैली। राष्ट्रवाद की नई कोंपल ने लोक स्मृति में अंगड़ाई ली और देखते ही देखते वह इतना विशालकाय बन गई, जिसकी ताकत के आगे वैश्विक ताकत बन चुकी अंग्रेज कौम को झुकना पड़ा। भारत आजाद हो गया।

लेकिन क्या भारत वर्ष की वैसी उन्नति हो पाई, जैसा कि भारतेंदु ने अपने इस निबंध में सोचा था। इस निबंध के पढ़े जाने के ठीक 63 साल बाद भारत आजाद हुआ। आजादी के 75 साल बीत चुके हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या भारतेंदु के संदेशों को बदले भारत ने ग्रहण किया। भारतेंदु मंडल के लेखकों का उद्देश्य था, हिंदी, हिंदू और हिंदुस्तान।

उपदेश

एक बार कुबेर देव ने शिवजी को सपरिवार अपने घर खाने पर बुलाया। शिवजी ने गणेश जी को भेज दिया। अगले दिन गणेशजी कुबेर देव के घर पहुंच गए। कुबेर ने उनके लिए बहुत सारा खाना बनवाया था। गणेशजी खाने के लिए बैठे तो पूरा खाना खत्म हो गया। उन्होंने और खाना मांगा। कुबेर ये देखकर घबरा गए। उन्होंने और खाना तुरंत बनवाया तो वह भी खत्म हो गया। गणेशजी बार-बार खाना मांग रहे थे। कुबेर बोले, 'अब सारा खाना खत्म हो गया है।' गणेशजी ने कहा, 'मुझे अपने रसोईघर में ले चलो, मेरी भूख शांत नहीं हुई है।' कुबेर गणेशजी को रसोईघर में ले गए तो वहां रखी खाने की सभी चीजें भी खत्म हो गईं, लेकिन गणेशजी अब भी भूखे ही थे। उन्होंने कहा, 'मुझे भंडार गृह में ले चलो, जहां खाने का कच्चा सामान रखा है।' कुबेर भगवान को अपने भंडार गृह में ले गए तो गणेशजी ने वहां रखी खाने की सभी चीजें भी खा लीं। कुबेर तुरंत ही शिवजी के पास पहुंचे। उन्होंने पूरी बात बता दी। शिवजी ने गणेशजी को देखा और कहा, 'जाओ, माता पार्वती को बुलाकर लाओ।' मां पार्वती को देखकर गणेश ने कहा, 'मां, कुबेर देव के खाने से मेरी भूख शांत नहीं हुई है। मुझे खाने के लिए कुछ दीजिए।' पार्वती मां ने जैसे ही अपने हाथ से खाना खिलाया तो गणेश को तृप्ति मिल गई। मां और खिलाने लगी तो गणेशजी ने कहा, 'मां मेरा पेट भर गया है। अब मैं नहीं खा सकता।' माता ने फिर कहा, 'बेटा और खा लो।' तब गणेश उठ गए और बोले, 'मां, मैं और खाऊंगा तो मेरा पेट ही फट जाएगा।' ये बोलकर गणेशजी वहां से चले गए। इस कथा से यह सीख मिलती है कि हमें अपने धन पर घमंड नहीं करना चाहिए। जो तृप्ति माता के हाथों से बने भोजन से मिलती है, वह बाहर के खाने से नहीं मिलती है।

> एक बार कुबेर देव ने शिवजी को सपरिवार अपने घर खाने पर बुलाया। शिवजी ने गणेश जी को भेज दिया। अगले दिन गणेशजी कुबेर देव के घर पहुंच गए। कुबेर ने उनके लिए बहुत सारा खाना बनवाया था। गणेशजी खाने के लिए बैठे तो पूरा खाना खत्म हो गया। उन्होंने और खाना मांगा।

जिलाधिकारी ने किया धान क्रय केंद्र का निरीक्षण, धान खरीद में तेजी लाये जाने का दिया निर्देश

अमर ख्याल, प्रमोद कुमार पांडे

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ महेंद्र कुमार द्वारा विकासखंड हरैया सतघरवा में धान क्रय केंद्र बसंतपुर, हरैया सतघरवा का औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा धान क्रय केंद्र पर आए किसान से वार्ता की गई एवं धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही इसके बारे में पूछा गया इस दौरान उन्होंने क्रय केंद्र पर खरीद रजिस्टर, भुगतान रजिस्टर का निरीक्षण किया तथा बोरो की उपलब्धता एवं धान उठाने की जानकारी प्राप्त की गई क्रय केंद्र से धान उठान ना होने पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई उन्होंने डिप्टी आरएमओ को फोन पर ठेकेदार नियुक्त करते हुए धान उठान राइस मिल द्वारा कराए जाने,धान खरीद में तेजी लाये जाने का निर्देश दिया इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बलरामपुर सदर राजेंद्र बहादुर, क्रय केंद्र प्रभारी उपस्थित रहे

आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान खामियां मिलने पर जिलाधिकारी ने सीडीपीओ एवं मुख्य सेविका को दी प्रतिकूल प्रविष्टि

अमर ख्याल, प्रमोद कुमार पांडे

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ महेंद्र कुमार द्वारा विकासखंड हरैया सतघरवा में ग्राम पंचायत सिंहपुर में आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को दुलार किया। आगनबाडी केंद्र का भवन जर्जर अवस्था एवं फर्श टूटी होने पर डीएम द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई। उन्होंने खंड विकास अधिकारी को भवन की रंगाई पुताई एवं फर्श की मरम्मत कराए जाने का निर्देश दिया उन्होंने सीडीपीओ एवं मुख्य सेविका को प्रतिकूल प्रविष्टि का निर्देश दिया इस अवसर पर एसडीएम बलरामपुर राजेंद्र बहादुर, खंड विकास अधिकारी हरैया सतघरवा उपस्थित रहे

पेंशनर अपना जीवित प्रमाण पत्र वर्ष के किसी भी माह में कर सकते है जमा-वरिष्ठ कोषाधिकारी

अमर ख्याल, प्रमोद कुमार पांडे

बलरामपुर। वरिष्ठ कोषाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश के क्रम में सभी पेंशनर को अपना जीवित प्रमाण पत्र माह नवम्बर एवं दिसम्बर में देने की बाध्यता समाप्त कर दी गयी है वे अपना जीवित प्रमाण पत्र पूरे वर्ष में किसी भी माह के कार्यालय कार्य दिवस में जमा कर सकते है जिससे पेंशनर के जीवित प्रमाण पत्र की वैधता आगामी एक वर्ष के लिए बढ़ जाती है और अपनी वैधता तिथि से पूर्व ऑनलाइन एवं आफ लाइन किसी भी विधि से जमा कर सकते है। उन्होंने कहा कि आनलाइन जीवित प्रमाण पत्र साइट पर जमा करने हेतु कोई भी डिवाईस जो अंगूठा/चेहरे से प्रमाणित करता हो उसमें आधार नं0, बैंक खाता सं0, आई0एफ0एस0सी0 कोड कोषागार क्र0सं0 आदि फीड करके भेज सकते है कोषागार के कम्प्यूटर में प्रदर्शित होने पर स्वीकार कर लिया जायेगा पेंशनर को कोषागार में आने की आवश्यकता नहीं होगी

बलरामपुर में दूध व्यापारी के सिर में गोली मारकर हत्या, पिता-पुत्र नामजद

प्रमोद कुमार पांडे

बलरामपुर। ललिया के लालपुर विशुनपुर गांव निवासी दूध व्यापारी बृजेश कुमार मिश्र की सोमवार देर रात अज्ञात हमलावरों ने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी मृतक की पत्नी रेखा मिश्रा ने इसी गांव के शिवशंकर पाठक, उनके पुत्र रवि पाठक समेत अन्य अज्ञात के विरुद्ध तहरीर दी है रेखा ने मारपीट के पुराने मुकदमे की रंजिश को हत्या का कारण बताया है पुलिस ने आरोपित पिता-पुत्र समेत अन्य के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।बताते हैं कि बृजेश सोमवार की रात अपने नौकर लालजी मौर्य निवासी मणिपुर झरिहरडीह को बाइक पर बैठाकर लालपुर चौराहा स्थित देशी शराब की दुकान के पास गए थे। नौकर लालजी ने बताया कि वह दुकान के अंदर शराब खरीदने के लिए गया था बृजेश बाहर बाइक पर बैठे थे इसी बीच बाइक सवार दो लोग वहां पहुंच गए एक ने बृजेश की कनपटी पर तमंचा सटाकर फायर कर दिया इसके बाद दोनों बाइक सवार तमंचा लहराते हुए फरार हो गए। गोली लगने से बृजेश खून से लथपथ बाइक समेत सड़क पर गिरकर ढेर हो गया उन्हें बाइक पर लादकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवपुरा पहुंचाया, जहां चिकित्साधीक्षक डा. प्रणव पांडेय ने मृत घोषित कर दिया

हत्या के आरोप में 02 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अमर ख्याल ब्यूरो

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर के निर्देशन में व पुलिस अधीक्षक नगर के मार्ग दर्शन में तथा क्षेत्राधिकारी कैण्ट के नेतृत्व में जनपद में जघन्य अपराध के वांछित अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत प्र0नि0 थाना खोराबार व उनकी टीम को लगाया गया था। जिसके क्रम में प्रभारी निरीक्षक खोराबार मय टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 658/22 धारा 302 भादवि बढ़ोतरी धारा 147,148,149,34 भादवि से सम्बंधित वांछित अभियुक्तगण 1. अंशु निषाद पुत्र दशहरु निषाद निवासी लहसड़ी खैरा टोला थाना रामगढ़ताल जनपद गोरखपुर 2. माखन उर्फ उपेन्द्र निषाद पुत्र मोती निषाद निवासी लहसड़ी खैरा टोला थाना रामगढ़ताल जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार किया गया। अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

घर को चोरों ने बनाया निशाना 10 हजार मोबाइल जेवर समेत किया पार

अमर ख्याल, रामसरन वर्मा

बेहटा (सीतापुर) तंबौर निवासी बेलहा दरियाना हकीम पुत्र भजन निर्मल थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि अज्ञात चोरों ने मेरे घर के पीछे रखी खिड़की तोड़ कर कमरे में रखे दस हजार रूपए जेवरात,सौ ग्राम पायल, मोबाइल,फोन,जेवरात सहित पार की हजारों की नगदी तब इसकी सूचना तंबौर थाने में प्रार्थना पत्र देकर जांच कर कार्यवाही कराने की मांग की जब इस संबंध में बात की गई प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार पटेल से तो उन्होंने ने बताया कि मुझे जानकारी नहीं है दिखवाते है

आसान और सुरक्षित है पुरुष नसबंदी, इस तरह उठा सकते हैं आप भी लाभ

अमर ख्याल, प्रमोद कुमार पांडे

बलरामपुर। पुरूष नसबंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है।यह पखवाड़ा 21 नवम्बर से 04 दिसंबर 2022 तक मनाया जाएगा। पुरूष नसबन्दी पखवाड़ा दो चरणों में मनाया जा रहा है।पुरुष नसबन्दी अभियान के प्रथम चरण में आशाएं लक्ष्य दम्पत्ति से सम्पर्क स्थापित कर अभियान के सम्बंध उनका काउंसिलिंग करेंगी। 28 नवम्बर से 04 दिसंबर 2022 तक चिन्हित पुरुष नसबन्दी के इच्छुक लाभार्थियों के सेवा दिया जाएगा। प्रत्येक पुरुष नसबंदी के लाभार्थी को 3000 रुपये का प्रोत्साहन राशि सीधे उनके बैंक खाते में दिया जाएगा। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बी पी सिंह ने बताया कि पुरुष नसबंदी एक मामूली सी शल्य क्रिया है। महिला नसबंदी के मुकाबले यह न सिर्फ सरल है बल्कि कारगर भी है। वैवाहिक जीवन इससे और भी सुखमय हो जाता है। पुरुष नसबंदी के बाद किसी भी प्रकार की कमजोरी नहीं होती है। पुरुष नसबंदी के लिए यदि इच्छुक लाभार्थी नसबंदी के लिए राजी हो जाता है तो नसबंदी के बाद 3000 रुपये की प्रोत्साहन दी जाती है। महिला को नसबंदी के लिए 2000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।ह्लअपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि ह्लपुरुष नसबंदी को लेकर जनपद के लोगों में काफी जागरूकता आई है। जो कुछ मिथक हैं उन्हें दूर करने के लिए सारथी वाहन व अन्य माध्यम से क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत आयोजित हो रहे इस पखवाड़े की थीम ह्लपुरुष भी निभायेंगे जिम्मेदारी, परिवार नियोजन अपनाकर दिखाएंगे अपनी भागीदारीह्व रखी गई है।पुरुष नसबंदी में न तो चीरा लगता है, न टांका लगता है और न ही पुरुष की पौरुष क्षमता में कमी या कमजोरी होती है। पुरुष नसबंदी एक सरल ऑपरेशन है दक्ष सर्जन के द्वारा मात्र 10 मिनट में कर दिया जाता है। ऑपरेशन के दो दिनों के बाद से लाभार्थी सामान्य कार्य एवम सात दिनों के बाद भारी काम कर सकते है दंपत्तियों में प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए पुरुषों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रजनन स्वास्थ्य के दृष्टिगत पुरुष नसबंदी बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक मामूली शल्य प्रक्रिया है और महिला नसबंदी की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित है।पुरुष या महिला नसबन्दी का लाभ लेने के लिए सीधे 9918534224 या 9795985849 मोबाइल नम्बरों पर भी संपर्क किया

अज्ञात महिला की हत्या की घटना का सफल अनावरण, आलाकत्ल सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

मनोज वैश्य

सीतापुर। दिनांक 08.11.2022 को ग्राम गुलरहिया के पास खेत में एक अज्ञात महिला का शव मिलने के संबंध में थाना रामपुर कलां पर मुकदमा अज्ञात पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक श्री घुले सुशील चंद्रभान द्वारा टीमों का गठन कर घटना के अनावरण व गहनतापूर्वक विस्तृत जांच कर प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर संलिप्तो की शीघ्रातिशीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया था। अनावरण का विवरण- अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्री एन.पी.सिंह के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी सिधौली श्री यादवेंद्र यादव के नेतृत्व में स्वाट/सर्विलांस व थाना रामपुरकलां पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना का सफल अनावरण करते हुए संकलित साक्ष्यो के आधार पर प्रकाश में आए संलिप्त दो अभियुक्तों पंकज मौर्य पुत्र स्व0 कामता प्रसाद मौर्य निवासी ग्राम लौना थाना रामपुर कलां सीतापुर,दुर्जन पासी पुत्र ठाकुर पासी निवासी ग्राम पट्टी मजरा लौना थाना रामपुर कलां जनपद सीतापुर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। अभियुक्त पंकज उपरोक्त की निशानदेही पर मृतका के पैर की हड्डी,आला कत्ल गढांसा, मृतका के साड़ी के खून लगा टुकड़ा तथा अभियुक्त दुर्जन उपरोक्त के पास से एक अदद प्लास्टिक के थैले में एक अदद धोती,एक अदद गमछा व एक अदद घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बजाज प्लेटिना बरामद हुई है। दिनांक 08.11.2022 को ग्राम गुलरहिया के पास खेत में एक अज्ञात महिला का शव मिला था जिसके संबंध में थाना रामपुरकलां पर समुचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर गठित टीमो द्वारा महिला की शिनाख्त के निरंतर अथक प्रयास किये गये, महिला की पहचान श्रीमती ज्योति उर्फ स्नेहा पत्नी पंकज मौर्या निवासी ग्राम लौना थाना रामपुरकलां जनपद सीतापुर के रूप में हुई जिसके पति पंकज उपरोक्त से पूछताछ में अपनी पत्नी के नशीली गोलियो/दवाओ का सेवन करने तथा कई कई दिनो के लिये अक्सर किसी के घ? जाकर रुक जाने तथा समझाये जाने पर भी सुधार न होने एवं इस प्रकार आपसी संबंध खराब होने के कारण अपने मित्र दुर्जन उपरोक्त व जीवन पुत्र बाबूराम मोची निवासी ग्राम लौना थाना रामपुर कलां जनपद सीतापुर के साथ मिलकर योजना बनाकर दिनांक 07.11.22 को हत्या की घटना कारित करना स्वीकार किया है। संलिप्त दोनो अभियुक्तों पंकज व दुर्जन उपरोक्त का चालान मा0 न्यायालय किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा 22/11/22 को घटना के सफल व शीघ्र अनावरण पर संयुक्त पुलिस टीम को 25,000/-रुपये के इनाम से पुरस्कृत किया गया है। अभियुक्तगण का नाम/पता-पंकज मौर्य पुत्र स्व0 कामता प्रसाद मौर्य निवासी ग्राम लौना थाना रामपुर कलां सीतापुर,दुर्जन पासी पुत्र ठाकुर पासी निवासी ग्राम पट्टी मजरा लौना थाना रामपुर कलां जनपद सीतापुर बरामदझ्रमृतका के पैर की हड्डी, आला कत्ल गढांसा,मृतका के साडी के खून लगा टुकड़ा,एक अदद प्लास्टिक के थैले में एक अदद धोती, एक अदद गमछा व एक अदद घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बजाज प्लेटिना बरामद किया स्वाट/सर्विलांस पुलिस टीम निरीक्षक श्री सतेंद्र विक्रम, स्वाट/सर्विलांस टीम,का.उमेश मिश्रा,का.रवि वर्मा,का.अनुराग पांडेय,का.सोहन पाल,का.राहुल कुमार,का.सुमित राघव,का.दानवीर,म.का.डॉली रानी पुलिस टीम थाना रामपुर कलां थानाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार सिंह,वरिष्ठ उ0नि0 मेराज अहमद,का0 अजीत यादव,का0 ओमेन्द्र कुमार,का0 अवनीश कुमार,का0 जीतू कुमार,म0का0 राधा पुण्डीर टीम में शामिल रहे।

बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत निमार्णाधीन परियोजनाओं का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

स्वास्थ्य उपकेंद्र महादेव बाकीं में फर्श धसने पर जेई को दी प्रतिकूल प्रविष्टि, कार्यदाई संस्था के विरुद्ध कार्यवाही का दिया निर्देश

अमर ख्याल, प्रमोद कुमार पांडे

बलरामपुर। बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत विकासखंड हरैया सतघरवा में निमार्णाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण जिलाधिकारी डॉ महेंद्र कुमार द्वारा दिया गया निमार्णाधीन कस्तूरबा आवासीय विद्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्माण कार्य में प्रयुक्त हो रहे निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को देखा गया, उन्होंने अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को ईट की गुणवत्ता का सैंपल कराए जाने का निर्देश दिया, कहा की निर्माण कार्य में हो रहे चुनाई में अच्छी क्वालिटी की मोरंग का इस्तेमाल किया जाए। निर्माण कार्य की कम प्रगति पर कार्यदाई संस्था के अभियंता का स्पष्टीकरण तलब किया गया इस बाद जिलाधिकारी द्वारा स्वास्थ्य उप केंद्र चौधरीडीह निरीक्षण किया गया। उन्होंने उप स्वास्थ्य केंद्र में सीएचओ एवं एएनएम को उपकेंद्र पर गर्भवती महिलाओं का प्रसव कराए जाने, दवाइयों के लिए काउंटर बनाए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एएनएम एवं स्टाफ नर्स सब सेंटर पर ही रुके सब सेंटर महादेव बाकी के निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य गुणवत्ताविहीन मिला, सब सेंटर के अंदर प्रवेश करते ही फर्स धस गई, जिलाधिकारी द्वारा संबंधित जेई को प्रतिकूल प्रविष्टि देते हुए तत्काल ठेकेदार से पुनः कार्य कराए जाने का निर्देश दिया गया इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा महादेव बाकी में चल रहे सोलर आधारित पाईप पेयजल परियोजना का निरीक्षण किया गया। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को देखा, मौके पर उपस्थित ठेकेदार को काम में तेजी लाए जाने का निर्देश दिया, उन्होंने कहा कि यदि कार्य की गुणवत्ता सही नहीं पाई गई तो कठोर कार्रवाई की जाएगी इसके उपरांत जिलाधिकारी द्वारा निमार्णाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया सतघरवा का निरीक्षण किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कार्यदाई संस्था के अभियंता को शीघ्र से शीघ्र कार्य पूर्ण करते हुए बिल्डिंग स्वास्थ विभाग को हैंड ओवर की जाने का निर्देश दिया इस अवसर पर एसडीएम सदर राजेंद्र बहादुर, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड भानु प्रताप, अपर सीएमओ डॉ एके सिंघल, अधिशासी अभियंता जल निगम, डीपीएम शिवेंद्रमणि तिवारी, अपर डीएसटीओ राजेश कुमार पटेल, खंड शिक्षा अधिकारी हरैया सतघरवा उपस्थित रहे

आर.पी.एम. एकेडमी गोरखपुर के प्रागंण में सडक सुरक्षा जीवन रक्षा के बैनर तले एक कार्यशाला का हुआ आयोजन

अमर ख्याल ब्यूरो

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक यातायात के मार्गदर्शन में आर.पी.एम. एकेडमी गोरखपुर के प्रागंण में सडक सुरक्षा जीवन रक्षा के बैनर तले एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें डायरेक्टर श्री अजय साही एंव सभी अध्यापक /अध्यापिका तथा शिक्षारत छात्र-छात्राएं उपस्थित रही जिनको क्षेत्राधिकारी यातायात द्वारा यातायात माह तथा यातायात नियमों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गयी। साथ ही 'स्त्रस्त्र' २-'स्त्रस्त्र को डाउनलोड करने तथा उसकी उपयोगिता के सम्बन्ध में सभी को अवगत कराते हुए निर्देशित किया गया एवं यातायात नियम के पालन के प्रति शपथ दिलाया गया। इसके अतिरिक्त यातायात निरीक्षक द्वारा भी यातायात नियमों तथा सड़क सुरक्षा के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की गयी। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी यातायात द्वारा यह भी बताया गया कि यदि प्रत्येक व्यक्ति द्वारा यातायात नियमों का पालन किया जाये तो सडक दुर्घटनाओं में कमी लायी जा सकती है, यातायात हेल्पलाइन नम्बर- 8081208567 के विषय में भी जानकारी दी गयी। रोड सेफ्टी से श्री सुमित मिश्रा द्वारा भी सडक सुरक्षा के सम्बन्ध में बताया गया। उक्त कार्यशाला के दौरान यातायात मित्र संजय श्रीवास्तव एवं अन्य यातायात कर्म0गण उपस्थित रहे

वार्षिक बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ बृहद आयोजन

संवाददाता मुकेश कुमार

सीतापुर। ब्लॉक बेहटा में बेसिक शिक्षा विभाग विकास क्षेत्र बेहटा जनपद सीतापुर की तरफ से आयोजित वार्षिक बाल क्रीड़ा का आयोजन गांजर इण्टर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित किया गया जिसमें कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन के साथ सरस्वती वंदना से किया गया बेसिक की वार्षिक बाल क्रीडा का आयोजन बालक/बालिका वर्ग में प्राथमिक एवं जूनियर वर्ग के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया इसके अंतर्गत विकास क्षेत्र के समस्त चौदह संकुलो के शिक्षक संकुल के साथ प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया इस कर्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि जय कुमार वर्मा उपस्थित रहे। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि ऐसे आयोजन होने से बच्चो में विकासः की गति तीव्र होती है और उनके लिये सुनहरे अवसर आते है तहपश्चात खण्ड शिक्षा अधिकारी बेहटा यशवंत सिंह ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास होने के लिये खेल अति महत्वपूर्ण है और स्वस्थ शारीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता है।विशिष्ठ अतिथि विजय कुमार सिंह प्रबंधक गांजर इण्टर कॉलेज तंबौर ने कहा कि बेसिक ही हमारे समाज की नींव है।सकरन से पधारे ओमकार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी सकरन ने कहा कि सभी बच्चों का निर्माण ही बेसिक है,जब नींव मजबूत होगी तभी हमारा समाज और तरक्की करेगा।खण्ड शिक्षा अधिकारी बिसवाँ शिव मंगल वर्मा ने कहा कि बेसिक अब और उच्चतम ऊँचाई को प्राप्त करेगा,बेसिक यदि मजबूत हो गया तो अन्त तक सब अच्छा ही अच्छा होगा।जिला व्यायाम शिक्षक राज शर्मा ने भी कहा कि इन क्रीड़ाओं से बच्चो का समुचित विकास होगा।इस कार्यक्रम में बीई ओ बेहटा द्वारा सांसद प्रतिनिधि,सकरन बीईओ, बिसवाँ बीईओ, प्रबंधक गांजर इण्टर कॉलेज तंबौर को स्मृति चिन्ह देकर संम्मानित भी किया।विजेता प्रतिभागियों में प्राथमिक स्तर पचास मी. दौड़ में बालक में नावेद प्रथम,शुभम द्वितीय स्थान पर रहे बालिका वर्ग में शिवांकी प्रथम व रोशनी द्वितीय स्थान पर रही सौ मीटर दौड़ में बालक बरकत अली प्रथम बालिका वर्ग में ममता देवी प्रथम रही सौ मीटर जूनियर वर्ग में नीरज सिंह व काजल प्रथम रही, कबड्ड़ी जूनियर स्तर में सेतुही संकुल विजयी रहा कबड्ड़ी प्राथमिक स्तर बालिका संकुल बिसवाँ खुर्द विजयी रहा खो खो और लम्बी कूद में संकुल बिसवाँ खुर्द व भदफर प्रथम स्तर पर रहा। इस कर्यक्रम की रूप रेखा बनाने में विजय नाथ चौरसिया,सुरेंद्र राजवंशी,अनिल अवस्थी,संतोष सिंह,धीरेन्द्र विक्रम सिंह,मनोज मिश्रा,अमरेश सिंह,राजेन्द्र सिंह,साबिर अली,अवध नरेश सिंह,विमल वर्मा,प्रदीप वर्मा,राजेश वर्मा,शिखा रस्तोगी,डॉ इन्द्रसेन सिंह,जय प्रकाश द्विवेदी,सत्य प्रकाश सिंह,सुशील पांडेय,शिव प्रताप,रोहित सिंह,नीलम कुमारी कस्तूरबा,रुचि वर्मा ने बृहद रूप दिया।इस कर्यक्रम में ताज अहमद,तुफैल अहमद,अतुल शुक्ला, मो.असलम,अवेज खान,हरिओम मिश्रा,सोमकार्तिक सिंह,नवीन मिश्रा,उमेश मिश्रा,नितिन वर्मा,भानु वर्मा,सराफत अली,साबिर अली,सुनील तिवारी,विनय,दीक्षित आदि लोगो का प्रमुख रूप से योगदान रहा।

विद्या सागर पाण्डेय को थानाध्यक्ष कौड़िया बनाये जाने पर लोगों ने दी बधाई

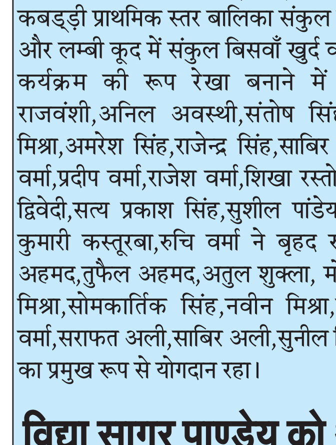

अमर ख्याल संवाददाता

कौड़िया (गोण्डा) वरिष्ठ उपनिरीक्षक विद्या सागर पाण्डेय को थानाध्यक्ष कौड़िया बनाए जाने पर लोगों ने बधाई दी इतना ही नहीं बल्कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत क्षेत्रवासियों ने व्यापक स्तर पर जताई खुशियां बता दें कि विद्या सागर पाण्डेय जब से कौड़िया थाने की कमान संभाले हैं तब अपराध एंव अपराधियों में खलबली मची हुई है थानाध्यक्ष कौड़िया ने कहा कि क्षेत्र से अपराध एंव अपराधियों का जड़ से सफाया करना ही मेरा पहला उद्देश्य है थाना क्षेत्र के अंदर किसी भी अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त को कतई बर्दाश्त नही किया जाएगा अवैध शराब माफियाओं के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर उन्हें तत्काल जेल भेजा जाएगा थानाध्यक्ष कौड़िया विद्या सागर पाण्डेय ने कहा कि क्षेत्र में किसी को डरने की जरूरत नहीं है पुलिस दिन रात सभी थाना क्षेत्र में गश्त करेगी अगर किसी को कोई दिक्कत परेशानी हो तो निः संकोच आकर मिले उसके समस्या का तत्काल समाधान होगा

लाखों रुपए की खर्च से बने सार्वजनिक शौचालय पर लटक रहे ताले

शासन द्वारा आदेश पारित होने के बावजूद, सार्वजनिक शौचालय दरवाजे पर लटकता रहा ताला

अमर ख्याल संवाददाता

कटरा बाजार (गोण्डा) जहाँ एक तरफ उत्तर प्रदेश सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च करके समस्त जनपदों के क्षेत्र अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य को शीघ्र ही पूर्णतया तैयार कर संचालित करने हेतु कड़े निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में नवनिर्मित सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य पूर्णतया तैयारी करने व समय अवधि अनुसार सुचारू रूप से संचालित करने हेतु

लापरवाही करने वाले जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।वही दूसरी तरफ जनपद के तेजतर्रार जिलाधिकारी उज्जवल कुमार ने उत्तर प्रदेश शासन द्वारा ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक शौचालय नव निर्माण व समय अवधि सुचारू रूप से संचालित ना होने पर विकास खंड अधिकारी को जिम्मेदार कर्मचारी के विरुद्ध

कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए,वही दूसरी तरफ विकास खण्ड कटरा बाजार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत पैडीबरा व लालपुर और कई ग्राम पंचायत सहित सार्वजनिक शौचालय में समय अनुसार संचालित ना कर बल्कि सार्वजनिक शौचालय दरवाजे पर लटक रहे ताले। विकास खंड कटरा बाजार में तैनात जिम्मेदार कर्मचारियों की उदासीनता के चलते ही कई ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक शौचालय दरवाजे पर ताला लटकाकर उत्तर प्रदेश सरकार व जनपद के जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के निदेर्शों को ताक पर रखकर जमकर धज्जियां उड़ाते हुए आदेश को साबित कर रहे बौना, कई ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक शौचालय दरवाजे पर ताला लटकाकर शासन के करोड़ों रुपये का कर रहे सत्यानाश इतना ही नहीं बल्कि सार्वजनिक शौचालय के नाम से अनेकों कार्य दिखाकर कई ग्राम पंचायतों में धनराशि निकालने का सिलसिला रहा बोलबाला, जिससे धांधली कर स्थानीय जिम्मेदार कर्मचारियों की जेब भरने के द्दष्ट से फल फूल रहे। जब इस मामले में बीडीओ से दूर भाष के जरिए संपर्क किया गया तो संपर्क स्थापित नहीं हो सका।

गल्ले का खेल प्रशासन फेल किसान हो रहा कंगाल बिचौलिया हो रहे मालामाल

अमर ख्याल , सोनी कुमारी

महराजगंज (रायबरेली) सरकार चाहे जितना दावा कर ले किसानों की उन्नति हो रही और आर्थिक विकास हो रहा है। पर दीमक की तरह लगे बिचौलिया जहां किसानों के हक क मार रहे हैं वही बेबस किसान लुटते हुए चले जा रहे हैं सरकार द्वारा धान खरीद केंद्र बनाए गए हैं जिनमें किसान अपना धान जा कर बेचे लेकिन किसानों को धान बेचना उतना ही कठिन है जितना रेगिस्तान में फूल खिलना जानकारी के अभाव में किसान बिचौलियों के माध्यम से फस जाते हैं और अपने खून पसीने की कमाई उन्हें सौंप देते हैं। इस समय किसानों का धान तैयार है जिसका बिचौलिए खूब लाभ उठा रहे हैं महराजगंज तहसील क्षेत्र के चंदापुर में स्थित एक गल्ले की दुकान है जहां पर आपको अनाज के अलावा गिट्टी मौरंग सीमेंट की दुकान सहित और कई अन्य सामान बिकते हुए नजर आ जाएंगे पहली नजर में आपको लगेगा यह दुकाने हैं लेकिन इनकी आड़ में चलता है दलाली का लंबा खेल किसान जिनके पास जानकारी नहीं होती और कभी-कभी ऐसे घरेलू मामले उनके फंस जाते हैं जिनमें उनको आर्थिक जरूरत पड़ जाती है यहीं से शुरू होता है खेल चंदापुर में स्थित अरुण कुमार गुप्ता की दुकान पर होता है लंबा खेल जहां ?19 से अधिक मे सरकारी रेट पर धान खरीदा जाता है वहीं पर क्षेत्र के भोले-भाले किसान अरुण कुमार को ?16 धान देने पर मजबूर हो जाते हैं पैसा उनको समय-समय पर थोडा थोडा दिया जाता है उसके बाद भी यह किसान धन्ना सेठ के कर्जदार ही बने रहते हैं

कैसे शुरू होता है गल्ले का खेल

क्षेत्र में स्थानीय बाजार सप्ताह में कई बार लगती हैं आपको पटरी के किनारे बोरा लिए हुए कई व्यापारी नजर आ जाएंगे जो किसानों का औने-पौने रेट मे धान खरीदते हैं और किसान भी पैसे ना रहने की स्थिति में साग सब्जी और अन्य जरूरत के सामान खरीदने के लिए अपने खून पसीने की कमाई को बेचने पर मजबूर हो जाते हैं यह छोटे दुकानदार किसानों का माल ओने पौने दाम पर खरीद कर फिर बड़े दुकानदार यहां पहुंच आते हैं

घुमा के पकड़ते हैं अरुण सेठ किसानों का कांन

अरुण सेठ की दुकान पर किसान मकड़जाल का शिकार होते हैं खाद या फिर घर बनाने के सामान्य बिचौलिया से उधार लेकर फिर किसानों की खून पसीने की कमाई को औने पौने दाम पर खरीद कर मोटा माल कमाता है

कौन है अरुण सेठ

सात 8 वर्ष पूर्व बाजार में बोरा बिछा कर हल्दी मिर्चा बेचने वाले अरुण सेठ आज करोड़ों में कैसे खेलने लगे जमीन जायदाद सहित कई गाड़ियों के मालिक हैं

कहां से आया इतना पैसा

भोले-भाले किसानों का आनाज औने पौने दाम पर खरीद कर ऊंचे दामों पर बेजकर जमकर माल बटोरने वाले अरुण सेठ की कहानी क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई किसानों की जमीन के कागजात इकट्ठा कर होता है खेल किसानों के जमीन के कागजात इकट्ठा करने के बाद उसे मंडी में लगाया जाता है सस्ते रेट पर खरीदा हुआ अनाज सरकारी रेट पर बेचकर मोटा माल कमाते हैं

ट्रकों से होती अनाज की लोडिंग

बड़े-बड़े ट्रकों से अक्सर इनकी दुकान से अनाज लोड करते हुए दिखाई पड़ जाएंगे सोचने वाली बात है कि जब सरकार ने धान खरीद केंद्र खोल रखे हैं तो आखिर इतना अनाज इनको कैसे मिल जाता है

सेट है अनाज के दलाल

अनाज के दलालों से इनकी सेटिंग गेटिंग रहती हैं किस मील में ऊंचे दाम पर अनाज बिकना है यही दलाल सेटिंग और गेटिंग करवाते हैं 20 कुंटल का लाइसेंस का दावा करने वाले अरुण सेठ ने सैकड़ों कुंतल धान अपने स्टोर में जमा कर रखा है आखिर इस पर कारवाई कब होगी

महामहिम राज्यपाल ने नौजलिया नकटाहा में किया जनसंवाद कार्यक्रम

अमर ख्याल

पीलीभीत। पूरनपुर के बाईफरकेशन पर महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तीन दिवसीय दौरे पर पहुंची। मंगलवार को राज्यपाल नौजलिया नकटाहा में पहुंचकर स्टालों का निरीक्षण किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल विद्यालय में शिक्षा गुणवत्ता परखी व बच्चों से जनसंपर्क किया। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को खिलौने वितरित किए महामहिम राज्यपाल के द्वारा बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र में खिलौना प्राप्त कर कर बच्चों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। वहीं जन संवाद कार्यक्रम के करते हुए पेंशन योजना के लाभार्थियों को प्रेषित पत्र देकर सम्मानित किया बच्चों को पोषण किट बाटी, वहीं पर प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी वितरण की व किसानों को बीज वितरण भी किया इसके साथ साथ जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था इसी के चलते आए हुए सभी लोगों को जनसंवाद किया वहीं पर बीजेपी विधायक बाबूराम पासवान जिला अध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार आप सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे

तीन दिवसीय दौरे को लेकर महामहिम राज्यपाल का पीलीभीत पुलिस लाइन में उत्तरा उड़न खटोला

अमर ख्याल

पीलीभीत। पीलीभीत में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तीन दिवसीय दौरे को लेकर पुलिस लाइन में लगभग शाम 4:30 उड़न खटोला उतरा। कमिश्नर बरेली पुलिस महानिरीक्षक बरेली डीएम और एसपी पीलीभीत ने महामहिम को बुके भेंट कर उनका स्वागत किया पीलीभीत पुलिस लाइन से उनका काफिला टाइगर रिजर्व की तरफ प्रस्थान कर गया जहां महामहिम चुका स्पॉट वाइफ अकेसन का भ्रमण करेंगे वही दूसरे दिन कलीनगर क्षेत्र के ढकिया महाराजगंज के किसानों से वार्ता करेंगी उसके उपरांत मढिया लालपुर नौजल्हा नकटा आदि जगह का निरीक्षण करेंगे

बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासिन, बाल विवाह उन्मूलन के प्रति वृहद जन जागरण अभियान का शुभारम्भ

अमर ख्याल संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी डॉ0 उज्जवल कुमार ने जिला पंचायत सभागार में बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन, बाल हिंसा बाल विवाह उन्मूलन के प्रति वृहद जन जागरण अभियान का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान काफी सराहनीय प्रयास है। इससे लोगों के बीच बाल श्रम, बाल हिंसा, बाल विवाह आदि को लेकर जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा 14 वर्ष से कम के बच्चों से श्रम करवाना बाल श्रम कानून के तहत अपराध है। श्रम विभाग सोशल मीडिया व नुक्कड़ नाटक पंपलेट आदि के माध्यम से इसका प्रचार प्रसार करवाए। साथ ही उन्होंने कहा कि कमजोर परिवारों को शासन की विभिन्न योजनाएं आवास राशन पेंशन शौचालय आदि से जोड़ा जाए जिससे कि उनके बच्चों को कहीं भी श्रम ना करना पड़े। बाल श्रम को रोकने के लिए संबंधित विभागों द्वारा कार्य योजना बनाकर ग्राम स्तर पर लागू किया जाए। इसमें ग्राम प्रधान व अन्य जनप्रतिनिधियों गणमान्य व्यक्तियों का भी सहयोग लिया जाए। सभी बच्चों को निश्चित उम्र तक शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत शिक्षा दिलवाई जाए। उन्होंने कहा कि जनपद गोण्डा में चिन्हित कटरा ब्लॉक के साथ-साथ पूरे जनपद में बाल श्रम रोकने की कार्रवाई की जाएगी। 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को विद्यालय में प्रवेश दिलाया जाए तथा उसकी सतत निगरानी भी की जाए उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि कोई भी बच्चा बाल श्रम करने पर मजबूर ना हो बच्चों के अभिभावकों के साथ अंतर व्यक्तिक संवाद स्थापित किया जाए। पोलियो एवं कोविड की तरह माइक्रोप्लान बनाकर बाल श्रम, बाल विवाह को रोका जा सकता है।इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि संविधान ने बच्चों को कई अधिकार दिए हैं। 18 वर्ष तक के बच्चों से बाल श्रम करवाना प्रतिबंधित है। यदि कोई बच्चा बालश्रम करता हुआ पाया जाए तो उसे श्रम विभाग के टोल फ्री नंबर पर सूचना दें जिससे कि बच्चों को बाल श्रम से छुटकारा दिलाया जा सके।उपायुक्त श्रम अनुभव वर्मा ने कहा कि जिले में बेटियों की शादी कम उम्र में कर दी जाती है जो चिन्ता का विषय है इसलिए मैं हर बेटी के माता पिता से अपील करती हूं कि वे अपने बेटी की शादी नाबालिग अवस्था में कदापि न करें यह संकल्प लेकर जाय। उन्होने कहा कि नाबालिग अवस्था मे शादी करने से वे अल्प आयु में ही मां बन जाती है और इससे जच्चा बच्चा दोनों के ऊपर ही कुप्रभाव पड़ता है तथा वे कुपोषित रहते है। जिले में मात्र एवं शिशु मृत्यु दर भी अधिक है

जो चिन्ता का विषय है। बाल विवाह रोके बिना समाज में स्वस्थ्य परम्परा नहीं कायम की जा सकती। इसलिए जनसहयोग से ही इस कुप्रथा को रोका जा सकता है। उन्होने कहा कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नही हैं, जरूरत इस बात की है कि लोग बिना भेदभाव के अपने बेटों के साथ-साथ बेटियों को भी शिक्षित कर उन्हें आगे बढ़ायें।अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाने स्तर पर पीस कमेटियों के माध्यम से बाल श्रम उन्मूलन के संबंध में जागरूकता हेतु सुझाव दिया गया तथा बाल श्रम उन्मूलन में पुलिस विभाग एएचटीयू द्वारा प्रभावी रंग से सहयोग किया जा रहा है तथा बाल श्रम रोकने के लिए श्रम विभाग व अन्य सभी विभागों से समन्वय करके बाल श्रम उन्मूलन एवं पुनर्वासन के संबंध में कार्य किया

जाए एवं जिन सेवा योजनाओं द्वारा बाल श्रम कराया जा रहा है उनके विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराए जाने का भी प्राविधान होने से अवगत कराया।इस मौके पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल श्रम व बाल विवाह की समस्या को दिखाया गया।कार्यक्रम के दौरान सहायक निदेशक बेसिक शिक्षा बीएसए, डीपीआरओ, बाल संरक्षण अधिकारी, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार, श्रम प्रवर्तन अधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारीगण /कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम ने धान खरीद की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

अमर ख्याल संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी डॉ० उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में धान खरीद की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में डीएम ने जनपद में धान खरीद के संबंध में कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जनपद के समस्त धान खरीद केंद्रों के सचिव को को सख्त निर्देश दिए हैं कि किसी भी खरीद केंद्रों से किसानों को वापस न किया जाए। उन्होंने कहा है कि धान खरीद से संबंधित सभी धान खरीद केंद्रों पर सभी व्यवस्थाएं तैयार होनी चाहिए।बैठक में उन्होंने कहा है कि धान खरीद के संबंध में तत्काल कंट्रोल रूम संचालित किया जाए और वहां पर खाद्य विभाग द्वारा कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए ताकि कंट्रोल रूम से फोन करके किसानों से धान खरीद के संबंध में पूरी जानकारी करते रहें। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी धान खरीद केंद्रों के सचिवों को निर्देश दिए हैं कि धान खरीद के उपरांत किसानों का भुगतान 48 घंटे में करना सुनिश्चित करें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि जनपद के सभी धान खरीद केंद्रों पर धान विक्रय करने के लिए आने वाले किसानों के लिए बैठने की व्यवस्था, पानी की व्यवस्था, शौचालय की व्यवस्था सहित सभी अन्य व्यवस्थाएं तत्काल तैयार कराना सुनिश्चित करें।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी प्रज्ञा मिश्रा, एआर कोऑपरेटिव अशोक कुमार मौर्य, पीसीएफ, एफसीआई, पीसीआई, मण्डी सचिव तथा जनपद के सभी धान खरीद केंद्रों के सचिव एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आत्महत्या के लिये प्रेरित करने का आरोपी अभियुक्त गिरफ्तार

अमर ख्याल संवाददाता

कटरा बाजार (गोण्डा) जनपद के तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की शीघ्र ही गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए,वही दूसरी तरफ थाना कटरा बाजार के थाना प्रभारी निरीक्षक चितवन कुमार ने पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में उक्त मामले के वांछित अभियुक्त की तत्काल प्रभाव से शीघ्र ही गिरफ्तार करने हेतु टीम किया गठित।थाना कटरा बाजार पुलिस ने मुकदमा सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अम्बिका प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्त द्वारा वादिनी की पुत्री को मार पीटकर घर से निकाल दिया था जिससे आहत होकर पीडित ने आत्महत्या कर लिया था।जिसके सम्बन्ध में वादिनी द्वारा थाना कटरा बाजार में अभियोग पंजीकृत करायी थी। अभियुक्त को वास्ते रिमांड माननीय न्यायालय रवाना कर दिया गया।गिरफ्तार कर्ता टीम उ0नि0 अजय कुमार पाण्डेय मय टीम सहित मौजूद रहे।

लडकी को षड्यंत्र रचकर भगाने व दुष्कर्म करने का अभियुक्त गिरफ्तार

अमर ख्याल संवाददाता

गोण्डा । पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की शीघ्र ही गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए, वही दूसरी तरफ पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में थाना को0देहात पुलिस ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान नाबालिक लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के वांछित अभियुक्त- अशोक पाण्डेय को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त ने थाना को0देहात क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिक लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था तथा उसके साथ दुष्कर्म किया था। जिसके सम्बन्ध में लड़की की माँ द्वारा थाना को0देहात में अभियोग पंजीकृत कराया गया था।अभियुक्त के विरूद्ध थाना को0देहात पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गयी।गिरफ्तार कर्ता टीम उ0नि0 विजय बहादुर सिंह मय टीम सहित मौजूद रहे।

ग्राम अख्तियारपुर के समीप संचालित मुर्गी फार्म को बंद कराने की हुई मांग

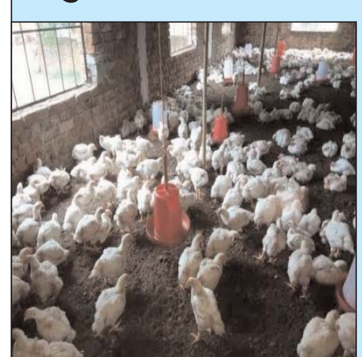

अमर ख्याल संवाददाता

कर्नलगंज(गोण्डा) स्थानीय तहसील व विकास खंड कर्नलगंज अन्तर्गत ग्राम अख्तियारपुर निवासी अमरनाथ मिश्रा ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया है। जिसमें कहा गया है कि गांव के समीप ब्रम्हचारी स्थान है जो ग्रामीणों के आस्था का केंद्र है। उसी के बगल एक व्यक्ति ने पोलट्री फार्म का संचालन शुरू कर दिया है।जिसकी दुर्गंध से लोगों का जीना दूभर है। आरोप है कि कई बार मुर्गी फार्म संचालक से उसे अलग संचालित करने को कह चुके हैं, जिस पर वह अभद्रता करने पर उतारू हो रहा है। पीड़ित ने समस्या का निराकरण कराने की मांग की है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी हीरालाल का कहना है कि प्रकरण की जांच कराकर कार्यवाही की जाएगी।

हर तरफ किसानों के साथहो रहें शोषण के विरुद्ध सकेतिक धरना प्रदर्शन

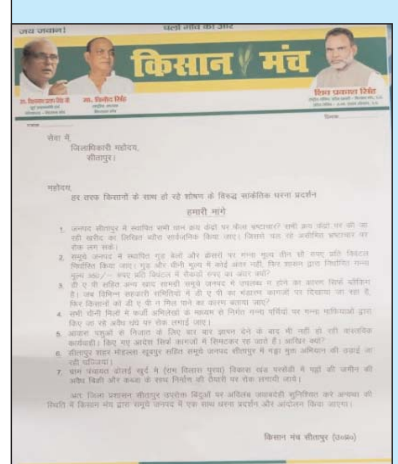

संवाददाता मुकेश कुमार

सीतापुर । समूचे जनपद सीतापुर में किसानों के हित में शासन द्वारा संचालित योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्रता सूची की सभी शर्तों को पूरा करने पर भी नहीं मिल रहा। सभी धान क्रय केंद्रों पर फैला भ्रष्टाचार और की जा रही खरीद का कोई भी व्यौरा न उपलब्ध होना इस बात का प्रमाण है। समूचे जनपद में धान खरीद का व्यौरा सार्वजनिक किया जाए !यह बात राष्ट्रीय सचिव/प्रदेश प्रभारी शिव प्रकाश सिंह ने कही। महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अल्पना सिंह ने कहा कि शासन द्वारा विगत वर्ष निर्धारित गन्ना मूल्य 350/ रुपए प्रति क्विंटल है,गुड़ बेलों से बन रही गुड़ और क्रेसरों से बन रही चीनी व चीनी मिलों से निर्मित चीनी में कोई विशेष अंतर नहीं होता है। फिर गन्ना मूल्य में सैंकड़ों रुपए प्रति क्विंटल का अंतर समझ से परे है। महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष शोभा लोधी ने जनपद सहित समूचे प्रदेश में खाद की किल्लत का मुद्दा उठाते हुए कहा कि समितियों के भंडारण में डीएपी उपलब्ध दिखाई जा रही है फिर किसानों को क्यों नहीं मिल रही !नकली खाद के मकड़जाल में किसान खून के आंसू रो रहा है !मंडल उपाध्यक्ष नफीस ने कहा सभी चीनी मिलों में गन्ना माफिया फर्जी अभिलेखों के माध्यम से पर्ची बनवाकर लूट मचा रखी है। सभी चीनी मिलों द्वारा अधिक पर्ची धारकों के अभिलेखों की जांच कर ही पर्चियां निर्गत की जाएं। मंडल उपाध्यक्ष आलोक तिवारी ने आवारा पशुओं से निजात दिलाने का मुद्दा उठाते हुए कहा की इस प्रकरण में कागजी कार्रवाई की जगह धरातल पर कार्य किया जाए। युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष दिव्य सिंह ने सीतापुर शहर के मुहल्ला खूबपुर में जलभराव मुद्दे के साथ गड्ढा मुक्त अभियान पर की जा रही खाना पूर्ति पर कटाक्ष किया! जिला महामंत्री उत्तम मौर्य ने विकास खंड परसेंडी अंतर्गत ढोलई खुर्द में पट्टे की जमीन विक्री का मुद्दा उठाया! जिला अध्यक्ष मतीन खां की अध्यक्षता में लहरपुर तहसील अंतर्गत लालपुर धान केन्द्रो पर उपरोक्त बिंदुओं पर सांकेतिक धरना आयोजित किया गया। रुकनापुर धान क्रय केंद्र पर आशीष पांडे,शराफत खान, दिनेश शुक्ला, वकील बस्सा,राजू सभासद,मो०अजीम,चमन मियां,सतीश सिंह,मो०सादाब, मो०नईम संदीप आदि उपस्थित थे !सीतापुर धरना स्थल पर उपस्थित किसानों में शिवम सिंह,अनीता गौतम,आदित्य कश्यप, ज्ञानेंद्र कुमार,गफूर, प्रसून मिश्र, श्रीकृष्ण पाल,विक्रम यादव,प्रसून मिश्रा,गौरी शंकर,रजनीश कुमार आदि सहित सैंकड़ों किसान उपस्थित थे

हर माह की 15 तारीख को प्रदेश के सभी अस्पताल में मनाएं निक्षय दिवस : योगी

लखनऊ

योगी सरकार ने प्रदेश को वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त बनाने के लिए कमर कस ली है। ऐसे में, प्रदेश के सभी जिलों में टीबी को लेकर जागरूकता फैलाने और मरीजों की स्क्रीनिंग का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीबी मरीजों की शीघ्र पहचान, गुणवत्तापूर्ण इलाज और योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए हर माह की 15 तारीख को प्रदेश के सभी जिला अस्पताल, ब्लॉक स्तर पर पीएचसी पर निक्षय दिवस मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि अगर किसी महीने में 15 तारीख को अवकाश होता है तो अगले कार्य दिवस में निक्षय दिवस मनाया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश की मिशन निदेशक अपर्णा उपाध्याय ने मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को इस संबंध में पत्र जारी कर दिया है। इसके माध्यम से उन्होंने अवगत कराया है कि टीबी एक प्रमुख सामाजिक समस्या है। भारत विश्व के 20 फीसद रोगियों के साथ सबसे अधिक टीबी ग्रसित व्यक्तियों का देश है। प्रदेश में टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 5.5 लाख अधिसूचनाओं का लक्ष्य केंद्र सरकार द्वारा तय किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ही प्रदेश की स्वास्थ्य इकाइयों पर सामूहिक प्रयास की जरूरत है। सीएम योगी ने सेंट्रल टीबी डिविजन के निर्देशों के अनुक्रम में टीबी रोगियों के पूर्ण स्वस्थ होने के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधा मुहैया कराने के लिए प्रदेश के सभी जनपदों में हर माह की 15 तारीख को जनपद एवं ब्लाक स्तरीय पीएचसी और आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर निक्षय दिवस मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि निक्षय दिवस से पहले आशा बहनें हर-हर घर भ्रमण कर टीबी के बारे में और दिवस के आयोजन के बारे में समुदाय को जागरूक करें। स्वास्थ्य इकाइयों पर एलईडी के जरिये टीबी के बारे में जागरूकता सम्बन्धी फिल्म भी प्रसारित करने के साथ निक्षय दिवस की उपलब्धियों को सोशल मीडिया पर भी प्रदर्शित किया जाए।

‘नए भारत के नए उत्तर प्रदेश’ में दुनिया भर के निवेशकों का स्वागत : मुख्यमंत्री योगी

समृद्ध भारत के निर्माण में उत्तर प्रदेश की प्रगति का सहयात्री बनने को मुख्यमंत्री ने किया वैश्विक निवेशकों का आह्वान

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश को देश के विकास का ग्रोथ इंजन बनाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 के आयोजन की औपचारिक घोषणा की है। मंगलवार को नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज प्रवासी भारतीय भवन में आयोजित एक भव्य कर्टेन रेज़र सेरेमनी में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक जगत के अनेक प्रतिष्ठित जनों, औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों, सार्वजनिक क्षेत्र की अनेक कम्पनियों के प्रतिनिधियों आदि की गरिमामयी उपस्थिति में मुख्यमंत्री ने दुनिया भर के औद्योगिक निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। जीआईएस 2023 के लोगो का अनावरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज एक प्रगतिशील परिवर्तनकारी यात्रा के शिखर पर है। प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित आत्मनिर्भर भारत का विजन इस कायाकल्प का प्रमुख स्तंभ है। भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का देश बनाने के प्रधानमंत्री के विजन का अनुकरण करते हुए, उत्तर प्रदेश ने अपने लिए .1 ट्रिलियन का लक्ष्य रखा है। इस क्रम में हमारी सरकार 10 से 12 फरवरी, 2023 तक लखनऊ में एक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन कर रही है, ताकि राज्य में उपलब्ध असीम व्यावसायिक अवसरों से देश और दुनिया लाभान्वित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इन्वेस्टर्स समिट वैश्विक औद्योगिक जगत को आर्थिक विकास में सहयोग करने के लिए एक एकीकृत मंच प्रदान करने में उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन में विश्व स्तर के नीति निर्धारकों, कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष नेतृत्व, व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों, एकेडेमिया, विचार मंच एवं प्रबुद्धजनों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा तथा सामूहिक रूप से व्यावसायिक संभावनाओं एवं सहभागिता के अवसरों पर मंथन किया जाएगा। बड़े उद्देश्य वाले इस विशिष्ट आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश दुनिया भर के निवेशकों को आमंत्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार इस समिट के माध्यम से प्रदेश ने ?10 लाख करोड़ के वैश्विक निवेश का लक्ष्य रखा है। समिट की अब तक की तैयारियों की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समिट के भव्य आयोजन में हमारे साथ भागीदारी करने के लिए अब तक लगभग 21 देशों ने उत्साह जताया है। यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में नीदरलैंड, डेनमार्क, सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम और मॉरीशस ने हमारे साथ पार्टनर कंट्री के रूप में सहभागिता करेंगे। दुनिया भर के औद्योगिक निवेशकों को समिट में आमंत्रित करने के लिए प्रदेश सरकार भी 18 देशों एवं भारत के 07 प्रमुख नगरों में रोड-शो भी आयोजित कर रही है। विभिन्न देशों के राजदूतों/उच्चायुक्तों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी आएं, भागीदारी करें तथा ग्लोबल समिट को सफल बनाएं। सार्वजनिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित इकाइयों के शीर्ष प्रबंधन एवं भारत सरकार के अधिकारियों के सहयोग के लिए भी आभार जताया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में सक्षम नीतिगत समर्थन एवं विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करके अपने कारोबारी माहौल में बड़े पैमाने पर सुधार किया है। प्रोएक्टिव इनवेस्टर कनेक्ट तथा हैंडहोल्डिंग के लिए, हमारी सरकार ने समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने एवं उनके कार्यान्वयन की निगरानी के लिए निवेश सारथी के नाम एक नई ऑनलाइन प्रणाली विकसित की है, साथ ही एक ऑनलाइन इंसेंटिव मैनेजमेंट सिस्टम भी विकसित किया गया है। प्रदेश की नवीनतम औद्योगिक नीति व सेक्टरोल पॉलिसी से परिचय कराते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने आईटी/आईटीईएस, डेटा सेंटर, ईएसडीएम, डिफेंस एवं एयरोस्पेस, इलेक्ट्रिक वाहन, वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, टेक्सटाइल, एमएसएमई, आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए 25 नीतियों को तैयार करके नीति संचालित शासन के माध्यम से औद्योगिक विकास के लिए एक समय पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में अनेक सुधारात्मक कदम उठाए हैं। इस फ्लैगशिप इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से राज्य सरकार का ध्येय निवेशक समुदाय के बीच उत्तर प्रदेश के निवेश आकर्षण को सुदृढ़ करने एवं राज्य के सर्वसमावेशी विकास हेतु अवसरों के सृजन करने की है।

भांग पत्ती की आड़ में लाइसेंस लेकर धड़ल्ले से हो रहा नशे का कारोबार

बिजनौर

नशे के कारोबारियों ने वर्षों से भांग पत्ती की आड़ में नशे का ऐसा जाल फैला रखा है कि चाह कर भी उस पर अंकुश लगा पाना मुश्किल ही नही नामुमकिन हो रहा है। उधर जनप्रतिनिधि भी इन नशे के कारोबारियों को अपना सहयोग देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं क्योंकि हकीकत यह है कि जनपद बिजनौर में कोई भी व्यक्ति भांग पत्ती का इस्तेमाल नहीं करता है यहां केवल नशे के नाम पर सुल्फा गांजा भांग अफीम चरस नशे की गोलियां जैसी कई चीजों की बिक्री धड़ल्ले से होती है। इसी का फायदा उठाकर सरकार को लाखों रुपए के राजस्व का झांसा देकर यह कारोबारी इस कार्यवाही को कर करोड़ों का मुनाफा कमाते हैं। आबकारी विभाग भांग पत्ती वाले लाइसेंस पर कार्यवाही कम करता है लेकिन इसी का फायदा उठाकर यह भांग पत्ती की आड़ में नशे का

कारोबार कर रहे हैं। यदि इनकी आए और संपत्ति की जांच की जाए तो इन्होंने नशे के इस कारोबार से करोड़ों रुपए कमाए हैं। उन्होंने हाल ही में पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी ने नशे को लेकर अभियान चलाएं हैं ताकि है नाशा जड़ से समाप्त हो जाए और नशे का कारोबार करने वाले कारोबारी पर सख्त से सख्त कार्रवाई हो लेकिन भांगपती कि आड़ में नशे का कारोबार करने वाले दोनों अधिकारियों और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी जी के इस अभियान को ठेंगा दिखा रहे हैं और लगातार बेधड़क नशे का कारोबारी नशे का कारोबार कर रहे है।

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

बिजनौर

शिक्षा विभाग के सिस्टम को देखकर आज इंसानियत भी शर्मसार हो रही है क्योंकि लाखों रुपए की पगार पाने वाले अध्यापक अध्यापिकाओं को नहीं मालूम कि शिक्षा मंत्री कौन हैं। एबीएसए क्या होता है और एबीएसए कौन होता है। सरकार द्वारा दिए जाने वाले लाखों रुपया अध्यापकों के प्रतिमाह खाते मे चले जाते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार लगातार जिस तरह से पैसा पानी की तरह से बहा ही रही है। ग्राम मंडावली के पास रोड पर प्राइमरी जूनियर स्कूल में देखने को मिला जहां पर शिक्षा के नाम पर केवल बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। स्कूल की बिल्डिंग भी टूटी हुई है। क्या केवल स्कूलों को

अध्यापक अध्यापिकाओं को नहीं मालूम कि शिक्षा मंत्री कौन हैं। एबीएसए क्या होता है और एबीएसए कौन होता है।

मॉडन बनाने का यही तरीका है की शिक्षकों को लाखों रुपए दे दो स्कूल को मॉडिफाइड कर दो और बस जो बचा जेब में भर लो चलो। जिस तरह से भ्रष्टाचार जनपद बिजनौर में हो रहा है क्या उससे ऐसा नहीं लगता कि जो शिक्षक यह भी नहीं जानती या अध्यापक यह भी नहीं जानता की उसे अभिभावक को या आने जाने वालों से किस तरह से बात करनी चाहिए।

ग्रामवासी अपने बच्चे को आंगनवाड़ी अवश्य भेजें: आनंदीबेन पटेल

लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जनपद पीलीभीत भ्रमण के आज दूसरे दिन सुदूरवर्ती क्षेत्र में स्थित नौजल्हा नकटहा ग्राम तथा तहसील कलीनगर के ग्राम महराजपुर ढकिया में गाँव वासियों से मुलाकात और वार्ता, सब्जी उत्पादक कृषकों एवं प्रगतिशील किसानों, महिला कृषक समूहों से वार्ता, आंगनवाड़ी केंद्र का भ्रमण, एस.एस.बी. आउट पोस्ट पर जवानों से मुलाकात और वार्ता की। किसानों से भेट वार्ता के दौरान राज्यपाल ने उनके उत्पादों की जानकारी ली और जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। सब्जी उत्पादन से जुड़े किसानों से राज्यपाल ने सब्जी के पोषक तत्वों पर चर्चा करते करते हुए आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिका को विकसित करने के लिए कहा। उन्होंने महिला कृषको के उत्पादों को विपणन से जोड़ने पर भी चर्चा की। भ्रमण के दौरान नौजल्हा नकटहा ग्राम तथा तहसील कलीनगर के ग्राम महराजपुर ढकिया में आंगनवाड़ी केंद्रों पर आयोजित कार्यक्रमों में भी पहुँची। आंगनबाड़ी केन्द्र पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने ग्राम वासियों से कहा कि अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र अवश्य भेजें। बच्चे की शिक्षा अनवरत जारी रहे, हम सबको मिलकर सुनिश्चित करना होगा। अभी 30 फ़ीसदी बच्चे ही कॉलेज पहुँचते हैं। प्रधानमंत्री का 2030 तक लक्ष्य है कि 50 फ़ीसदी बच्चे कॉलेज पहुंचे। प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में यह सुनिश्चित किया जाए कि जिन बच्चों की आयु सितंबर माह में 05 वर्ष की पूरी हो रही है। उन बच्चों का प्रवेश माह अप्रैल में ही कर लिया जाए, ताकि उनके राशन व शिक्षा का नुकसान ना हो। इसे अगले वर्ष से सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि हमें भारत को सशक्त, और विकसित राष्ट्र की दिशा में प्रगति के लिए यह आवश्यक है कि हमारे सभी बच्चे शिक्षित हों। उन्होंने कहा की अभिभावकों को अपने बच्चों की रूचि पहचानकर उसी दिशा में शिक्षा के लिए आगे बढ़ाना होगा। भविष्य में उसे क्या बनना है, इसके लिए अभी से प्रवृत्तियों शुरू करनी होगी। राज्यपाल ने अपने सम्बोधन में संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराने बच्चों के उचित पोषण, सरकारी योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक पहुंचाने की चर्चा भी की। कार्यक्रम में राज्यपाल ने दोनों गाँवों, 5 आंगनबाड़ी केंद्रों - कुल 10 केन्द्रों के लिए राजभवन की तरफ से किट उपलब्ध कराई गयी, जिसमें उन्होंने बच्चों के लिए कुर्सियों, मेज, खिलौने, साइकिल सहित किट की अन्य सामग्री भी प्रदान की। राज्यपाल ने महिलाओं को पुष्टाहार किट देकर गोद भराई संस्कार व छह माह के बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया। उन्होंने दिव्यांगों को कृत्रिम उपकरण एवं लाभार्थियों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड प्रदान किए। कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों को पोषण सामग्री भी वितरित की तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के अभ्यर्थियों को उनके आवास की प्रतीकात्मक चाबी भी भेंट की। राज्यपाल आज के भ्रमण में एस.एस.बी. आउट पोस्ट पर जवानों से भी मिली और उनसे वार्ता की। सुरक्षा में तैनात जवानों के कार्यों की सराहना की और कहा देश को सुरक्षित रखकर विकास को गति प्रदान करना एक सामूहिक जिम्मेदारी है। हम सबको मिलकर सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर भारत बनाना है। परिणाम तक पूरी दृढ़ता से डटें रहें तभी विकास को गति देते हुए हम सब विश्वस्तर पर भारत को गरिमा और सामर्थ्य के साथ स्थापित रखने में समर्थ होंगे। उन्होंने जवानों को सीमावर्ती स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करने के लिए भी प्रेरित किया। स्कूली बच्चों को बॉर्डर पर लाकर भ्रमण के द्वारा उनमें देश प्रेम का बोध, दायित्वों का बोध भी जाग्रत कराना चाहिए।

सुगमता से मिलेगी उत्तर प्रदेश के किसानों को डीएपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में किसानों को सुगमतापूर्वक उनकी मांग के अनुरूप डीएपी उर्वरक की आपूर्ति कराए जाने हेतु प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा उर्वरक सचिव भारत सरकार एवं संयुक्त सचिव से मुलाकात कर उत्तर प्रदेश की डीएपी उर्वरक की मांग को विस्तार से रखा। उन्होंने उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में उर्वरक आपूर्ति शीघ्र कराने की मांग रखी। उन्होंने बताया कि बैठक में उत्तर प्रदेश हेतु प्रतिदिन कुल 10 रैक की आपूर्ति, जिनमें से 3-4 उर्वरक रैक्स मै. इफको एवं मै. कृभकों को सहकारिता क्षेत्र हेतु डिस्पैच कराए जाने का निर्णय हुआ है। 40 रैक्स का 4 दिनों में आपूर्ति की सूची पोर्टवार एवं जनपदवार दी गई है, जिससे कि कृषकों को डीएपी उर्वरक की आपूर्ति निरन्तर सुगमतापूर्वक उपलब्ध होती रहेगी। 22 नवंबर 2022 तक प्रदेश में 1लाख 95 हजार मी.टन डीएपी उर्वरक का स्टाक जनपदों में उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में डीएपी की किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि बैठक में भारत सरकार के उर्वरक मंत्रालय में उर्वरक विभाग के सचिव अरुण सिंघल, संयुक्त सचिव नीरजा आदिदाम तथा उत्तर प्रदेश प्रदेश के संयुक्त कृषि निदेशक उर्वरक अनिल कुमार पाठक ने सहभागिता की।

नई औद्योगिक परियोजनाओं के लिए यूपी है बेस्ट, यहां है ‘ईज़ ऑफ स्टार्टिंग बिजनेस’

लखनऊ

ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए राष्ट्रीय स्तर पर हो रही सराहना के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ईज़ ऑफ स्टार्टिंग बिजनेस पर फोकस कर रही है। मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के कर्टेन रेज़र सेरेमनी में मुख्यमंत्री योगी ने जिन दो पोर्टलों की शुरुआत की, वह इस लिहाज से बेहद उपयोगी होने वाले हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रोएक्टिव इनवेस्टर कनेक्ट तथा हैंडहोल्डिंग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करने एवं उनके कार्यान्वयन की निगरानी के लिए निवेश सारथी के नाम से एक नई ऑनलाइन प्रणाली विकसित की गई है, साथ ही एक ऑनलाइन इंसेंटिव मैनेजमेंट सिस्टम भी विकसित किया गया है। यह पोर्टल निवेशकों को पूर्ण सहूलियत देने वाले वन स्टॉप सॉल्यूशन सेंटर जैसे होंगे। प्रदेश में अलग-अलग सेक्टर की पॉलिसी के जरिए निवेश पर मिलने वाले इंसेंटिव के लिए निवेशकों को अब विभागों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। किस निवेश पर कितना इंसेंटिव मिलेगा, इंसेंटिव दिए जाने की प्रक्रिया कहां तक पहुंची है, पैसा कितने दिनों में खाते में आ जाएगा, इन सारे सवालों के जवाब और जानकारियां ऑनलाइन मिल सकेंगी। यही नहीं, एमओयू के बाद उसकी प्रगति की सीधी निगरानी में भी आसानी होगी। वहीं यूपी सरकार का सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम निवेश मित्र पोर्टल उद्यमियों को नई परियोजना की शुरुआत में सबसे बड़ा मददगार है। पोर्टल के माध्यम से राज्य के छोटे, मध्यम और बड़े उद्यमियों के लिए सम्बंधित विभागों से सुरक्षा, कानूनी मेट्रोलॉजी, पर्यावरणीय मुद्दे की मंजूरी और गैर आपत्ति प्रमाण पत्र जैसी 150 से अधिक सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो रही हैं।

मंडी परिषद की सड़कों को श्रेणियों में बांटकर गड्ढा मुक्त अभियान चलाया जाए

लखनऊ

प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार, कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से मंडी परिषद के कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने सम्भागीय उप निदेशकों (प्रशासनिक/विपणन) को निर्देशित किया कि कार्यों की गुणवत्ता के लिए नियमित रूप से मण्डी स्थलों का निरीक्षण किया जाय। निरीक्षण के दौरान मिलने वाली कमियों को उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए उसे दूर किया जाय। उन्होंने निदेशक मण्डी को निर्देशित किया कि सम्भागीय उप निदेशकों (प्रशासनिक/विपणन) द्वारा किये जा रहे निरीक्षण की मानिटरिंग के लिए एक साफ्टवेयर विकसित किया जाय। सिंह ने मंडी समितियों में गोदामों व दुकानों से देय प्रीमियम व किराया एवं यूजर चार्ज के बकाया की समीक्षा की। निदेशक मंडी को निर्देशित किया कि मंडी समितियों में गोदामों व दुकानों से अवशेष धनराशि के सम्बन्ध में सभी उप निदेशक से जानकारी ली जाय तथा पुष्टि करते हुए अवशेष धनराशि को अपडेट किया जाय। मंत्री द्वारा वे-ब्रिज की समीक्षा की गयी। मंत्री ने निर्देशित किया कि जो वे-ब्रिज खराब है उन्हें यथाशीघ्र ठीक कराया जाय। मंत्री सिंह ने फल-सब्जी मण्डियों में साफ-सफाई रखने के निर्देश दिये। उन्होंने मंडी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों को शुरू करने से पूर्व चयनित स्थलों की अच्छे मानीटरिंग कर ली जाए, जिससे कि निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण होने में किसी प्रकार की कठिनाई भविष्य में न आय। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अन्य विभागों या संस्थाओं के द्वारा मण्डी परिसरों की जो भूमि उपयोग की जा रही है, उसकी समीक्षा की जाए। अन्य विभागों या संस्थाओं के द्वारा मण्डी परिसरों की भूमि उपयोग करने हेतु अनुबन्ध किया जाए। उन्होंने गड्ढा मुक्त अभियान के अन्तर्गत मण्डी परिषद की सड़कों को गड्ढा मुक्त कराने हेतु सड़कों को श्रेणियों में बांटकर कार्य करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने निर्देश दिया कि सम्पर्क मार्ग व हाटपैठ सम्बन्धी कार्य नियमानुसार एवं समयबद्ध रूप से कराया जाय जिससे स्थानीय किसानों को उसका लाभ मिल सके। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय स्तर पर निर्यात के लिए छोटे-छोटे क्रेता व विक्रेताओं का सम्मेलन किया जाय, जिससे कि ज्यादा से ज्यादा किसानों को जानकारी होने के साथ ही निर्यात को बढ़ावा मिल सके।

शुभारंभ *मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौतमबुद्ध नगर में यूनेस्को-इंडिया-अफ्रीका हैकथॉन का किया शुभारंभ*

भारत-अफ्रीका के रिश्ते आपसी संबंधों की अद्भुत मिसाल: योगी

गौतमबुद्धनगर

भारत-अफ्रीका के रिश्ते संयोग वाले संबंधों की एक अद्भुत मिसाल है। उपनिवेशवाद के खिलाफ एकजुटता, विकासशील देशों के बीच सहयोग की सच्ची भावना भारत-अफ्रीका महाद्वीप के मजबूत रिश्तों की आधारशिला रही है। हम जानते हैं भारतीय मनीषा में सदैव से विश्व कल्याण के जिन भावों को व्यक्त किया है, आज भी वह विश्व कल्याण का माध्यम बन सकता है। भारतीय मनीषा की अभिव्यक्ति वसुधैव कुटुम्बकम् के भावों का प्रतिनिधित्व करती है। भारत सदैव इसको अनुसरण करते हुए विश्व बंधुत्व के भाव को प्रबल करता रहा है। हैकथॉन भी हमारी इसी लोककल्याणकारी नीति का प्रतीक है। यह बातें मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौतमबुद्धनगर में आयोजित यूनेस्को-इंडिया-अफ्रीका हैकथॉन का शुभारंभ करते हुए कहीं। इस अवसर पर उन्होंने इंडो-अफ्रीकी देशों की कल्चरल परेड को भी देखा। अफ्रीका के कई देशों से आए डेलिगेट्स, छात्रों का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत ने कभी भी तलवार के बल पर किसी पर प्रभुत्व स्थापित नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में भारत की नीति पर प्रकाश डालते हुए बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा था, भारत ने दुनिया को युद्ध नहीं बुद्ध दिया है। भारत ने पूरी दुनिया को शांति का संदेश दिया है। भगवान श्रीराम की गाथा विश्व समुदाय के समक्ष मानव जीवन के सच्चे आदर्शों को व्यक्त करती है। अफ्रीका महाद्वीप के मारीशस में भगवान राम की आराधना और रामायण का प्रभाव सर्वविदित है। उत्तर प्रदेश भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण और महात्मा बुद्ध की धरती है। दक्षिण अफ्रीका के साथ भारत के संबंधों की मधुरता पर चर्चा करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ अपने अहिंसक आंदोलन की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका से की थी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने महात्मा गांधी को अपना आदर्श मानकर और अहिंसा को आधार बनाकर रंगभेद के खिलाफ अभियान शुरू किया और भेदभावपूर्ण व्यवस्था का अंत किया। भारत में उनका नाम अत्यंत आदर के साथ लिया जाता है। वर्तमान में मोदी के रूप में भारत और अफ्रीका महाद्वीप के संबंध एक नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं। हाल ही में भारत से विलुप्त हो चुके चीतों को सितंबर 2022 में मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा गया था। ये चीते अफ्रीकन देश नामीबिया ही से लाए गए थे। योगी ने हैकथॉन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत अफ्रीका के साथ सहयोग और साझेदारी के नए आयाम स्थापित कर रहा है। यूनेस्को-भारत-अफ्रीका हैकथॉन के पहले संस्करण का आयोजन हो रहा है। 36 घंटे के इस हैकथॉन का आयोजन 25 नवंबर तक किया जा रहा है। इस हैकथान में प्रतिभाग करने के लिए 22 देशों के 400 से अधिक छात्र-छात्राएं और प्रतिनिधि यहां उपस्थिति हुए हैं। सभी छात्र छात्राएं भारत के छात्र छात्राओं के साथ मिलकर अलग-अलग टीमों के माध्यम से विभिन्न प्रॉब्लम स्टेटमेंट्स पर समाधान बनाने का प्रयास करेंगे। यह आयोजन अफ्रीका के छात्र छात्राओं को भारत में शिक्षा एवं जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार के नए अवसरों का लाभ उठाने का भी अवसर प्रदान करता है। हैकथॉन के वो नवीन प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों की संकल्पना और संरचना भी करेंगे। यह आयोजन पीएम मोदी की मंशा के अनुरूप है। मोदी का मानना है कि मुख्य धारा की व्यापक समस्याओं के समग्र समाधान में युवाओं की भागीदारी होनी चाहिए।

बाथटब में बैठ बोल्डनेस का तड़का लगाती नजर आईं नेहा मलिक

भोजपुरी सिनेमा की बोल्ड और खूबसूरत अभिनेत्रियों में शुमार एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आप को इंडस्ट्री में बड़ी ही अच्छी तरह से स्थापित किया है। अभिनेत्री आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। नेहा मलिक अक्सर अपने सिजलिंग, ग्लैमरस और बोल्ड लुक्स सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं।
भोजपुरी और पंजाबी म्यूजिक वीडियोज में तहलका मचा चुकीं नेहा मलिक अपनी इन्हीं तस्वीरों की वजह से सोशल मीडिया में चर्चा में बनी रहती हैं। अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए फैंस बेताब रहते हैं। एक बार फिर नेहा ने अपनी बोल्ड तस्वीरों शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। नेहा मलिक ने एक बार फिर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड अंदाज नजर आया है, जिसमें उन्हें रेड कलर की बिकिनी पहने देखा जा सकता है। नेहा मलिक ने अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में बोल्डनेस की सारी हदें पार कर दी हैं। वह बाथटब में बैठी हुईं किलर पोज दे रही हैं। नेहा मलिक फोटो में काफी ज्यादा ग्लैमरस लग रही हैं, जिसे देख हर कोई घायल हो रहा है। नेहा मलिक इन दिनों दुबई टूर पर गई हुई हैं, जहां उनका यह सिजलिंग अवतार देखने को मिल रहा है। उनकी ये तस्वीरें सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं, जिन्हें देख हर कोई बस हैरान है। नेहा का यह किलर अंदाज इंटरनेट का तापमान बढ़ा रहा है। अभिनेत्री के इस पोस्ट पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं। कमेंट्स देख साफ पता लग रहा है कि नेहा मलिक की इन दिलकश अदाओं पर अभिनेत्री के फैंस दिल हार बैठे हैं। अभी तक उनकी इस पोस्ट पर एक लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। इससे पहले भी नेहा मलिक अपने दुबई टूर से अपने फैंस के लिए तस्वीरें साझा कर चुकी हैं। उन तस्वीरों में अभिनेत्री ने लाइट ग्रीन टू पीस ड्रेस पहनी हुई थीं। नेहा मलिक कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर पोज देती दिखाई दे रही थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो नेहा ने कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया हुआ है, जिसमें खेसारी लाल यादव का नाम भी शामिल है।

भस्म और भगवद गीता के साथ दिखे अजय देवगन

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की आने वाली फिल्म भोला की झलक आखिरकार फैंस को देखने को मिल गई है। फैंस इस झलक को देखने के लिए लंबे समय से इंतजार में थे। भोला अजय देवगन की मच अवेटेड फिल्म है। अजय देवगन ने फिल्म का टीजर जारी कर दिया है। कुछ समय पहले ही फिल्म का मोशन पोस्टर भी रिलीज किया गया था। अजय देवगन द्वारा अभिनित और निर्देशित सस्पेंस थ्रिलर फिल्म भोला में अजय एक्शन करते दिखेंगे। अजय की ये चौथी फिल्म है जिसमें वो निर्देशक की भूमिका में दिखेंगे। इसके टीजर में अजय का चेहरा साफ तौर पर नहीं दिखा है। मगर ये जरुर पता चल गया है कि फिल्म एक्शन से भरपूर होने वाली है। बता दें कि फिल्म 30 मार्च 2023 को 3D में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अजय देवगन के अलावा तब्बू भी फिल्म में लीड किरदार में है। भोला का टीजर सस्पेंस से युक्त है। टीजर कुल एक मिनट 26 सेकेंड का है। इसकी पहली झलक में एक अनाथ आश्रम दिखता है, जहां ज्योति नाम की बच्ची रहती है। आश्रम की कर्मचारी बच्ची को कहती है कि कोई उससे मिलने आने वाला है, जिसे सुनकर बच्ची असमंजस में आ जाती है। क्योंकि बच्ची का दुनिया में कोई नहीं है। इसके बाद टीजर में जेल दिखाई जाती है, जहां से एक कैदी रिहा होने वाला है। ये कैदी अजय देवगन होता है। अजय देवगन जेल में बंद रहने के दौरान रामभक्ती में लीन रहते है और श्रीमद भगवद गीता पढ़ता है। अजय का कैरेक्टर फिल्म में काफी डार्क पता लगा है। वहीं जेल के अन्य कैदी आपस में बाते करते दिखते हैं कि ये कौन है, कहां से आया है किसी को नहीं पता है। यानी अजय का किरदार रहस्यों से भरपूर रहने वाला है। फिल्म में अजय दमदार एक्शन भी करते दिख रहे है। वो त्रिशूल के साथ बाइक और कार पर एक्शन करेंगे। फैंस को अजय कि फिल्म की स्टोरी लाइन से लेकर इसका सस्पेंस और एक्शन भी काफी पसंद आ रहा है। टीजर रिलीज होने के बाद फैंस इसकी जमकर तारीफ कर रहे है। बता दें कि फिल्म भोला दक्षिण भारतीय फिल्म कैथी का हिंदी रिमेक है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कलेक्शन किया था। साउथ में फिल्म का सीक्वल भी बनने जा रहा है, जिसमें सुपरस्टार कमल हासन मुख्य किरदार निभाने जा रहे है। जानकारी के मुताबिक फिल्म ड्रग माफिया के अलावा पिता और बेटी के बीच के रिश्ते के आसपास घूमेगी।

बोल्डनेस के मामले में उर्फी जावेद से कम नहीं हैं बहन डॉली

सोशल मीडिया सेंसेशन उर्फी जावेद अपने लुक्स के चलते आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। उर्फी का अतरंगी फैशन सेंस कुछ लोगों को पसंद आता है, तो कई बार वह ट्रोल्स के निशाने पर आ जाती हैं। वहीं, उर्फी जावेद की बहन डॉली जावेद भी अपनी बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं। डॉली सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर ही अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं। वहीं, अब सोशल मीडिया पर डॉली की लेटेस्ट तस्वीरें वायरल हो रही हैं।
उर्फी जावेद की बहन डॉली सोशल मीडिया पर आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। लेटेस्ट तस्वीरों में डॉली ग्रीन कलर की आउटफिट में नजर आ रही हैं, जिसमें वह बेहद हॉट लग रही हैं। डीप नेक ग्रीन कलर की इस ड्रेस में डॉली का अंदाज कातिलाना है। वह हर तस्वीर में एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही हैं।
डॉली जावेद ने अपने लुक को परफेक्ट मेकअप और ग्रीन कलर की ज्वेलरी के साथ कंप्लीट किया है। इसके साथ ही उन्होंने बालों का टाइट बन बनाया है। डॉली का लुक लोगों को भी काफी पसंद आ रहा है और वह कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। डॉली को कई बार उर्फी जावेद के साथ भी स्पॉट किया जाता है।
डॉली अपनी बहन की तरह ही अपने लुक्स के चलते अक्सर ही चर्चा में आ जाती हैं। बता दें कि डॉली जावेद मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। डॉली ब्लॉगर भी हैं। इसके साथ ही वह सोशल मीडिया पर वह कई ब्यूटी और फैशन ब्रांड्स का प्रमोशन करती नजर आती हैं। बहन उर्फी की तरह डॉली भी अपने ड्रेसिंग सेंस को लेकर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। इंस्टाग्राम पर भी डॉली की फैन फॉलोइंग काफी बढ़िया है।

राणा दग्गुबाती को कनिका कपूर ने सरेआम दी पिता बनने की बधाई

बाहुबली के भल्लादेव यानी कि राणा दग्गुबाती के पिता बनने की खबरें इस समय गलियारों में खूब घूम रही हैं। दावा किया जा रहा है कि राणा दग्गुबाती की पत्नी मिहिका बजाज मां बनने वाली हैं। इस बारे में जब राणा दग्गुबाती ने पूछा गया तब उन्होंने खबरों की सच्चाई से पर्दा उठाया। पिछले महीने ऐसी अफवाहें उड़ी थीं कि मिहिका अपने पति के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। दंपति की स्थिर चुप्पी ने इन अटकलों को हवा दे दी। दरअसल इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक मुलाकात के दौरान कनिका कपूर की मुलाकाल राणा दग्गुबाती से हुई। इस दौरान उन्होंने राणा दग्गुबाती को पिता बनने के लिए बधाई दी। राणा दग्गुबाती इस बधाई को सुनने के बाद हंसने लगे। उन्होंने मुस्कुराकर कनिका को ये कहा कि ऐसा कुछ नहीं हैं। राणा ने इसे हंसी में उड़ा दिया और कनिका को आश्वासन दिया कि उसकी पत्नी गर्भवती नहीं है और अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। राणा दग्गुबाती और पत्नी मिहिका बजाज वैवाहिक आनंद ले रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक साथ वह अपनी मनमोहक तस्वीरों को फैंस के साथ साझा करते हैं। 2020 में उनकी शादी के बाद से, इस जोड़े को गर्भावस्था की अफवाहों का शिकार बनाया गया है, जिसे उन्होंने बार-बार खारिज किया है। 13 अक्टूबर को मिहिका ने बाहुबली स्टार के साथ अपनी शादी के दो साल पूरे होने पर एक तस्वीर पोस्ट की और इसे एक नोट के साथ कैप्शन दिया।

अभिनेता के जन्मदिन पर रिलीज हुआ फिल्म का फर्स्ट लुक

एक अभिनेता के रूप में कार्तिक आर्यन की प्रतिभा उनके वायरल डेब्यू के बाद से सौ गुना बढ़ गई है। आज उनके चाहने वालों में सिर्फ आम फिल्म देखने वाले ही नहीं बल्कि निर्माता और निर्देशक भी शामिल हैं जिनमें उनकी नवीनतम फिल्म शहजादा के निर्माता भी शामिल हैं। भूषण कुमार, अल्लू अरविंद और अमन गिल ने उनके जन्मदिन पर फिल्म का पहला लुक लॉन्च करने का फैसला करके उन्हें अद्भुत अभिनेता के रूप में मनाने का फैसला किया है। निर्माता भूषण कुमार ने कहा, कार्तिक एक शानदार और बारीकी से काम करने वाले अभिनेता हैं और हमारे अपने शहजादा को मनाने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है! पहला लुक उनके प्रशंसकों के लिए एक ट्रीट है। अमन गिल ने यह भी कहा, कार्तिक के साथ काम करना एक सपने जैसा है, हम सभी को इस फिल्म की शूटिंग में बहुत मज़ा आया, उनका व्यक्तित्व प्रभावशाली है इसलिए हमने सोचा कि यह एक प्यारी सी छोटी सी चीज होगी जो हमने उनके जन्मदिन पर शहजादा के जन्मदिन को सेलिब्रेट करने के लिए फिल्म से फर्स्ट लुक लाए है। भूल भुलैया 2 के शुरू होने और साल की अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बनने के साथ कार्तिक आर्यन के लिए काफी अच्छा साल रहा है। अभिनेता शहजादा सहित अपनी आगामी परियोजनाओं की शूटिंग में व्यस्त हैं। शहजादा रोहित धवन द्वारा निर्देशित एक कॉमेडी एक्शन ड्रामा म्यूजिकल है, और प्रीतम ने म्युजिक दिया है।

हॉलीवुड...

अवतार 2 की एडवांस बुकिंग शुरू

हॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक अवतार- द वे ऑफ वॉटर जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। जेम्स कैमरून के निर्देशन में बनी इस फिल्म का फैंस को काफी समय से इंतजार था। वहीं, अब अवातर 2 के फैंस से लिए खुशी की खबर है। दरअसल, फिल्म की एडवांस बुकिंग आज से पूरे भारत में शुरू हो गई है। साथ ही फिल्म का नया ट्रेलर भी जारी किया गया है, जिसके बाद से ही यह सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। हॉलीवुड की सबसे सफल फिल्मों में से एक अवातर साल 2009 में ऑस्कर भी अपने नाम कर चुकी है। जेम्स कैमरून की अवतार- द वे ऑफ वॉटर का फैंस पिछले 13 साल से इंतजार कर रहे हैं। अवतार 2 की एडवांस बुकिंग के साथ ही फिल्म का जबरदस्त ट्रेलर भी लॉन्च किया गया है। वहीं, बीते दिन अवतार 2 के किरदारों के अलग-अलग पोस्टर भी जारी किए गए थे।
अवतार- द वे ऑफ वॉटर 16 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और ऐसे में इसकी एडवांस बुकिंग आज देश भर में शुरू कर दी गई है। फिल्म हिंदी, इंग्लिश, मलयालम, तमिल, कन्नड़ और तेलुगू में रिलीज होगी। वहीं, फिल्म देश के चुनिंदा सिनेमाघरों में 24 घंटे दिखाई जाएगी, जिसमें पहला शो रात 12 बजे से शुरू होगा।
बता दें कि अवतार 2 के निर्देशन की कमान जेम्स कैमरून ने संभाली है और इसे 20th सेंचुरी स्टूडियोज ने प्रोड्यूस किया है। अवतार फेंचाइजी की पहली फिल्म 2009 में आई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। इस बार फिल्म में टाइटैनिक फेम केट विंसलेट, क्लिफ कर्टिस सहित कई अन्य स्टार्स भी नजर आने वाले हैं।

'गोविंदा नाम मेरा' का ट्रेलर देखने के बाद दर्शकों ने भूमि पेडनेकर की भरपूर तारीफ़ की

बॉलीवुड की युवा स्टार, भूमि पेडनेकर ने अपनी शानदार एक्टिंग स्किल्स की वजह से बॉलीवुड में कामयाबी का परचम लहराया है। उन्हें इस जनरेशन के सबसे वर्सेटाइल एक्टर्स में से एक माना जाता है, और आने वाली कॉमिक थ्रिलर फ़िल्म गोविंदा नाम मेरा में अपनी बेमिसाल एक्टिंग और डायलॉगबाज़ी के लिए दर्शक उनकी भरपूर तारीफ़ कर रहे हैं!
भूमि कहती हैं, सच कहूं, तो मुझे इस बात की बड़ी खुशी है कि फ़िल्म-मेकर्स को ऐसा लगता है कि मैं वाकई कड़ी मेहनत कर सकती हूं, और मुझे जो किरदार दिया जाता है उसे निभाने की पूरी कोशिश करती हूं। यही तो एक आर्टिस्ट के तौर पर मेरे काम और मेरे स्किल-सेट के लिए सबसे बड़ा वैलिडेशन है। गोविंदा नाम मेरा में अपने किरदार के जरिए मैं एक बार फिर से कुछ अलग करने की कोशिश कर रही हूं, और मैंने अपनी हर फ़िल्म के साथ बदलाव की इस कोशिश को बरकरार रखा है, साथ ही उम्मीद करती हूं कि इस फ़िल्म में भी लोगों को मेरा परफॉर्मेंस बेहद पसंद आएगा।
वे आगे कहती हैं, मुझे एक ही तरह के किरदार के सांचे में ढलना पसंद नहीं है। मैं लगातार मौजूदा स्थिति को चुनौती देने और हमेशा कुछ अलग कर दिखाने की कोशिश करती हूं। मुझे खुशी है कि इस फ़िल्म के ट्रेलर में दर्शकों को मेरा किरदार पसंद आ रहा है। यह तो पूरी फ़िल्म में दिखाई जाने वाली कहानी की सिर्फ एक झलक है। मैंने जो किरदार निभाया है वह किसी फायरक्रैकर से कम नहीं है, वह ग्रे है और जबरदस्त एंटरटेनिंग होने की वजह से मुझे यह किरदार काफी पसंद है।
भूमि की आने वाले फ़िल्मों की सूची काफी दिलचस्प है, जिनमें अफ़वाह, भीड़, लेडी किलर, मेरे हसबैंड की बीवी शामिल हैं!

एक नजर

विश्व युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिपः सात भारतीयों ने पदक पक्के किए

नई दिल्ली। मौजूदा युवा एशियाई चैम्पियन रवीना, विश्वनाथ सुरेश और वंशज उन सात भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने स्पेन के ला नुसिया में चल रही विश्व युवा पुरूष एवं महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्के किए। अंतिम चार में जगह बनाने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों में भावना शर्मा (48 किग्रा), कुंजारानी देवी थोंगम (60 किग्रा), लशु यादव (70 किग्रा) और आशीष (54 किग्रा) शामिल हैं। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए भारत की चार महिला खिलाड़ियों ने क्वार्टर फाइनल में अपने मुकाबले 5–0 के समान अंतर से जीते। रवीना ने जहां 63 किग्रा मुकाबले में रोमानिया की एलेक्जेंड्रा क्रेटू को हराया, वहीं भावना ने वेनेजुएला की एविमिर ब्रिटो को, कुंजारानी ने कजाकिस्तान की एगेरिम कबदोल्डा को और लशू ने मैक्सिको की जुजेट हर्नांडेज का शिकस्त दी। भारतीय महिला खिलाड़ियों में केवल ग्रिविया देवी हुइड्रोम (54 किग्रा) को ही हार का सामना करना पड़ा। उन्हें कजाकिस्तान की एलिना बजरोवा से 5–0 से पराजित किया। इस बीच भारतीय पुरुषों के लिए यह मिश्रित सफलता वाला दिन रहा। भारत के पांच पुरुष मुक्केबाजों में से तीन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। विश्वनाथ (48 किग्रा) और वंशज (63.5 किग्रा) ने क्रमशः ऑस्ट्रेलिया के जे केर और किर्गिस्तान के उमर लिवाजा पर सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की। आशीष ने स्कॉटलैंड के आरोन कुलेन 4–3 हराया। इस मुकाबले की समीक्षा की गई जिसके बाद भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में फैसला सुनाया गया।

नए प्रारूप में खेला जाएगा अगला पुरुष टी20 विश्व कप

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 अलग प्रारूप में खेला जाएगा जिसमें भाग लेने वाले 20 देशों को पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप में विभाजित किया जाएगा जबकि पहले दौर के बाद सुपर आठ चरण होगा। वहीं 2021 और 2022 टी20 विश्व कप में पहले दौर के बाद सुपर 12 चरण आयोजित किया गया था लेकिन अगले टूर्नामेंट में प्रत्एक चार ग्रुप से शीर्ष दो दो टीमें सुपर आठ चरण में जगह बनाएंगी जिसमें इन्हें फिर चार चार के दो ग्रुप में विभाजित किया जाएगा। फिर सुपर आठ के दो ग्रुप में से प्रत्एक से शीर्ष दो दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी जिसके बाद फाइनल खेला जाएगा। वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले अगले चरण के टूर्नामेंट के लिए 12 टीमें पहले ही अपना स्थान पक्का कर चुकी हैं।

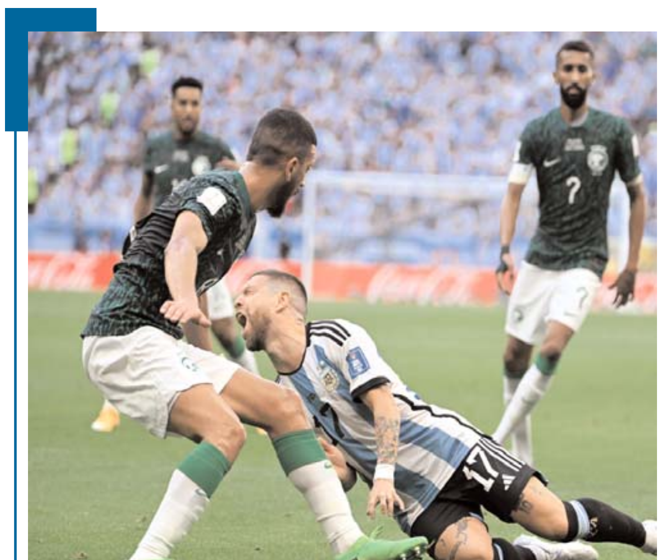

कतर में चल रहे फीफा वर्ल्ड कप के ग्रुप सी मैच दौरान बॉल पर नियंत्रण की कोशिश में सउदी अरब के अब्दुल्ला अलमाल्की एवं अर्जेंटीना के अलेजेंड्रो गोमेज। इस मैच में सऊदी अरब ने अर्जेंटीना को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

सूर्यकुमार के पास शॉट खेलने की अद्भुत क्षमताः फिलिप्स

एजेंसी ■ नेपियर

भारतीय टी20 स्टार सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी से प्रभावित न्यूजीलैंड के उभरते हुए टी20 खिलाड़ी ग्लेन फिलिप्स ने कहा कि आने वाली गेंद के बारे में अनुमान लगाने के साथ उनके पास शॉट मारने की अद्भुत क्षमता है। सूर्यकुमार ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 51 गेंद में 111 रन की शानदार पारी खेली थी और उन्हें तीन मैचों की टी20 श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। बारिश की रुकावट के बाद तीसरा टी20 मैच टाई रहा। श्रृंखला का पहला मैच बारिश से धुल गया था जबकि दूसरे मुकाबले को भारत ने आसानी से जीता था। मंगलवार को मैच टाई होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस के दौरान फिलिप्स ने कहा, गेंदबाज की लाइन लेंथ का सटीक आकलन करने की सूर्यकुमार की क्षमता ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया। आने वाली गेंद के बारे में अनुमान लगाने के साथ उसके पास आखिरी क्षणों में अपने शॉट में बदलाव कर गेंद को सीमा रेखा के पार भेजने की भी कमाल की क्षमता है। सूर्यकुमार ने दूसरे टी20 मैच में सात छक्के और 11 चौके जड़े थे। इस अविश्वसनीय पारी उन्होंने कई ऐसे शॉट खेले जो क्रिकेट में अपरंपरागत माने जाते है। उन्होंने इस दौरान विकेट के पीछे थर्ड मैन से लेकर फाइन लेग की क्षेत्र में कुछ दमदार शॉट लगाए। फिलिप्स ने कहा, पिछले मैच में उसने ऐसी गेंद पर थर्ड मैन के ऊपर के छक्का लगाया जिसे खेलने में दूसरे बल्लेबाजों को परेशानी होती। फिलिप्स ने इस मौके पर भारतीय टीम में विकल्पों की सराहना की।

बारिश से टाई हुआ तीसरा टी20, भारत ने 1-0 से जीती श्रृंखला

एजेंसी ■ नेपियर

बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच मंगलवार को यहां तीसरा और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच डकवर्थ लुईस पद्धति से टाई रहा जिससे हार्दिक पंड्या की अगुआई वाली मेहमान टीम ने।-0 से श्रृंखला अपने नाम की। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज के चार चार विकेट की बदौलत भारत ने न्यूजीलैंड को 19.4 ओवर में 160 रन के स्कोर पर समेट दिया था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने नौ ओवर में चार विकेट 75 रन बना लिए थे कि बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। कप्तान पंड्या 30 और दीपक हुड्डा नौ रन बनाकर खेल रहे थे। अंपायरों ने मैच खत्म होने का फैसला किया और दोनों टीमों के कप्तानों ने हाथ मिलाए। भारत का नौ ओवर के बाद स्कोर डकवर्थ लुईस पद्धति के हिसाब से टाई के स्कोर के बराबर था। इस पूरी श्रृंखला में बारिश ने विघ्न डाला। पहला टी20 बारिश के कारण रद्द हो गया था जबकि दूसरे मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 65 रन से शिकस्त दी थी। भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही, उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (10 रन) का विकेट गंवा दिया था जो एडम मिल्ने की गेंद पर डीप स्क्वायर लेग में खड़े मार्क चैपमैन को कैच देकर आउट हुए। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का पारी शुरू कराने का प्रयोग पिछले मैच की तरह इसमें भी विफल रहा जो दो चौके जमाकर पांच गेंद में 11 रन ही बना सके थे कि तीसरे ओवर में टिम साउदी की गेंद को हवा में खेलकर डीप बैकवर्ड प्वाइंट पर ईश सोढी को कैच देकर पवेलियन पहुंचे। टीम ने अगली गेंद पर तीसरा विकेट श्रेयस अय्यर के रूप में गंवाया जो खाता भी नहीं खोल सके और साउदी का दूसरा शिकार बने।

पिछले मैच में अपना दूसरा टी20 शतक जड़ने वाले सूर्यकुमार यादव (13 रन) बड़ी पारी नहीं खेल सके और सोढ़ी की गेंद पर डीप मिडविकेट पर फिलिप्स को कैच दे बैठे। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए डेवोन कॉनवे (49 गेंद में 59 रन) और ग्लेन फिलिप्स (33 गेंद में 54 रन) ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी निभाई। लेकिन इसके बाद मेजबान टीम ने महज 30 रन के अंदर अपने आठ विकेट गंवा दिए। न्यूजीलैंड का स्कोर 16वें ओवर में दो विकेट पर 130 रन था लेकिन अर्शदीप (37 रन देकर चार विकेट) और सिराज (17 रन देकर चार विकेट) ने शानदार वापसी करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीम को दो गेंद रहते ही समेट दिया। भारत को पहला विकेट अर्शदीप ने दिलाया जब फिन एलेन उनकी फुल लेंथ गेंद पर पगबाधा आउट हुए। एलेन फैसले की समीक्षा करना चाहते थे लेकिन फिर पवेलियन लौट गए। अनुभवी भुवनेश्वर कुमार ने तीसरे ओवर में कसी गेंदबाजी की। कॉनवे ने फिर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप पर मिड विकेट पर चौका और एक्स्ट्रा कवर पर एक छक्का जड़ दिया। इसके बाद उन्होंने इस तेज गेंदबाज के सिर के ऊपर से खूबसूरत चौका लगाया, जिससे चौथे ओवर में 19 रन बने और न्यूजीलैंड की टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी।

इस विकेट पर आक्रमण ही सबसे अच्छा बचाव थाः हार्दिक पंड्या

नेपियर। भारतीय कप्तान हार्दिक पंड्या ने 18 गेंद पर नाबाद 30 रन बनाकर न्यूजीलैंड के खिलाफ बारिश से प्रभावित तीसरे एवं अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को टाई कराने में अहम भूमिका निभाने के बाद मंगलवार को यहां कहा कि इस विकेट पर आक्रमण ही सबसे अच्छा बचाव था। भारत ने 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 2.5 ओवर में 21 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। पंड्या ने इसके बाद आक्रामक पारी खेली जिससे भारत ने बारिश आने तक चार विकेट पर 75 रन बनाए थे जोकि डकवर्थ लुईस पद्धति से बराबरी का स्कोर था।

शॉर्ट न्यूज

सैकड़ों प्रशंसकों को फुटबॉल विश्व कप की टिकटों को लेकर दूसरे दिन भी हुई परेशानी

दोहा। कतर में सैकड़ों फुटबॉल प्रशंसक मंगलवार को विश्व कप के अपने डिजिटल टिकट को लेकर संघर्ष करते दिखे क्योंकि फीफा के मोबाइल एप्लिकेशन में लगातार दूसरे दिन इसे लेकर भ्रम और निराशा बनी रही। दोहा में टिकट समस्याओं को लेकर बनी डेस्क के बाहर परेशान प्रशंसकों की लंबी कतार लग गई। कई लोगों ने बताया कि उनके टिकट फोन से अचानक गायब हो गए और उन्हें वापस नहीं लाया जा सका। इस तरह की गड़बड़ी के कारण सोमवार को सैकड़ों प्रशंसक ईरान के खिलाफ इंग्लैंड के मैच की शुरुआत के कुछ मिनटों के खेल को देखने से चूक गए थे। दोहा के मध्य स्थित कन्वेंशन सेंटर में टिकट रिजॉल्यूशन पॉइंट के सामने प्रशंसक अपने टिकट की परेशानियों के बारे में एक-दूसरे को बताते दिखे। उन्होंने यहां वालेंटियर्स को अपने मोबाइल ऐप पर त्रुटि के संदेश दिखाए। मोहम्मद साजिद नाम के एक सुरक्षा गार्ड ने कहा कि जब सुबह भीड़ चरम पर थी तो कुछ गुस्साए प्रशंसकों को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया था। मेक्सिको सिटी के 64 वर्षीय फुटबॉल प्रशंसक मार्सिया हर्नांडेज लाइन में अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐप की समस्याओं ने उन्हें एक इंग्लैंड-ईरान के खेल के पहले 20 मिनट को देखने से वंचित कर दिया। उन्होंने कहा, मैं छह विश्व कप में गया हूं और मुझे कभी भी इस तरह की समस्या नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उनके दो टिकट उनके मोबाइल ऐप पर नहीं दिखाई दे रहे है।

गोवा पर्यटन विभाग ने विला के व्यावसायिक इस्तेमाल पर युवराज सिंह को नोटिस भेजा

पणजी। गोवा पर्यटन विभाग ने क्रिकेटर युवराज सिंह को मोरजिम में अपने विला को पंजीकृत कराए बिना होमस्टे के तौर पर संचालित करने पर नोटिस जारी कर आठ दिसंबर को उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया है। गोवा पर्यटन व्यापार अधिनियम 1982 के तहत राज्य में होमस्टे का संचालन पंजीकरण के बाद ही किया जा सकता है। राज्य पर्यटन विभाग के उपनिदेशक राजेश काले ने 18 नवंबर को उत्तरी गोवा के मोरजिम में स्थित क्रिकेटर के स्वामित्व वाले विला कासा सिंह के पते पर जारी नोटिस में इस पूर्व हरफनमौला को आठ दिसंबर को सुबह 11 बजे व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उनके सामने पेश होने का निर्देश दिया। नोटिस में 40 वर्षीय क्रिकेटर से पूछा गया है कि पर्यटन व्यापार अधिनियम के तहत संपत्ति का पंजीकरण नहीं कराने के लिए उनके खिलाफ दंडात्मक कार्वाई (एक लाख रुपए तक का जुर्माना) क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए। नोटिस में कहा गया है, "अधोहस्ताक्षरी के संज्ञान में आया है कि वर्चेवाड़ा, मोरजिम, पेरनेम, गोवा में स्थित आपका आवासीय परिसर कथित तौर पर होमस्टे के रूप में काम कर रहा है और एयरबीएनबी जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर यह बुकिंग के लिए उपलब्ध है। विभाग ने युवराज के एक ट्वीट का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा है वह अपने गोवा स्थिति घर में छह लोगों की मेजबानी करेंगे और इसकी बुकिंग सिर्फ एयरबीएनबी पर होगी।

विश्व कप का बड़ा उलटफेर : सऊदी अरब ने अर्जेंटीना को हराया

लुसैल। सऊदी अरब ने मंगलवार को यहां लियोनेल मेसी की अगुवाई वाली अर्जेंटीना की टीम को 2-1 से हराकर विश्वकप का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों को हतप्रभ कर दिया। मेसी की टीम को शुरू में ही हार मिलने से इस स्टार स्ट्राइकर की पहली बार विश्व चैंपियन बनने की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा। अर्जेंटीना की इस हार ने 1990 के विश्व कप में डियागो माराडोना की अगुवाई वाली टीम की कैमरून के हाथों पहले मैच में।-0 से हार की यादें भी ताजा हो गई। सऊदी अरब की तरफ से सालेह अलशहरी और सलेम अल्दावसारी ने दूसरे हाफ में पांच मिनट के अंतराल में दो गोल करके अर्जेंटीना के प्रशंसकों को निराश कर दिया। अर्जेंटीना की तरफ से मेसी ने 10वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला था। यह विश्वकप के सबसे बड़े उलटफेर में से एक है।

विश्व कप में हर पल का लुत्फ उठाना चाहते हैं मेस्सी

एजेंसी ■ दोहा

इस फीफा विश्व कप में अर्जेंटीनी स्टार लियोनल मेस्सी काफी सहज दिख रहे हैं, उन पर अपेक्षाओं के दबाव का असर नहीं दिख रहा है और संभवतः अपने अंतिम साबित होने वाले फुटबॉल महासमर में काफी खुश लग रहे हैं। शायद यह उनकी उम्र का या शायद उनके क्लब पेरिस सेंट जर्मेन में चल रही शानदार फॉर्म या फिर पिछले साल कोपा अमेरिका में खिताब का सूखा खत्म कराने का असर है कि वह सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस में बहुत सहज नजर आए और हर वक्त उनके चेहरे पर मंद मंद मुस्कान थी। फुटबॉल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक के कंधे से दबाव उठता दिख रहा है और वह काफी अलग लग रहे हैं जो वह खुद भी स्वीकार करते हैं। मेस्सी ने कहा, नहीं जानता कि यह मेरे करियर का सर्वश्रेष्ठ क्षण है या नहीं, लेकिन मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा, शायद थोड़ा और परिपक्व हो गया हूं, हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहा हूं और हर चीज का लुत्फ उठा रहा हूं। इस विश्व कप में हर पल का मजा ले रहा हूं। मेस्सी ने कहा, इससे पहले मैंने कभी इसके बारे में नहीं सोचा था - मैं सिर्फ खेलना चाहता था। और फिर अगले मैच के बारे में सोचता था और कभी कभार मैंने काफी चीजों की कमी महसूस की। मैं अब थोड़ा और ज्यादा जानने लग गया हूं। और फिर उन्होंने कहा कि यह शायद उनका अंतिम विश्व कप हो सकता है। मेस्सी ने कहा, हमने एक टूर्नामेंट (कोपा अमेरिका) जीत लिया है जो बहुत ही सुकून देने वाला है। इससे आपको अलग तरह से काम करने में मदद मिलती है, आप इतना दबाव महसूस नहीं करते। लोग आप पर इतना दबाव नहीं बनाते। उन्होंने कहा, यह टीम मुझे 2014 की याद दिलाती है। हम एकजुट हैं और हम कैसा खेल खेलना चाहते हैं, उस पर बहुत स्पष्ट हैं। इस अच्छी फॉर्म में यहां होना शानदार है क्योंकि इससे आपको काफी आत्मविश्वास मिलता है।

> ▶▶ मेस्सी ने कहा, इससे पहले मैंने कभी इसके बारे में नहीं सोचा था - मैं सिर्फ खेलना चाहता था। और फिर अगले मैच के बारे में सोचता था।

आस्ट्रेलिया ने बारिश से प्रभावित अंतिम वनडे में इंग्लैंड को हराया

मेलबर्न। ट्रेविस हेड और डेविड वॉर्नर के शानदार शतकों की बदौलत आस्ट्रेलिया ने मंगलवार को यहां बारिश से प्रभावित अंतिम वनडे में इंग्लैंड को 221 से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर आस्ट्रेलिया को बल्लेबाजी का न्योता दिया। हेड और वॉर्नर की सलामी जोड़ी ने मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर 269 रन की साझेदारी निभाई जिससे टीम ने पांच विकेट पर 355 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह इस मैदान पर वनडे का सबसे बड़ा स्कोर है। हेड ने 130 गेंद में 152 रन बनाकर अपना तीसरा वनडे शतक जड़ा जो उनका इस प्रारूप में सबसे बड़ा स्कोर है। वॉर्नर ने 106 रन की पारी खेली। बारिश के कारण आस्ट्रेलियाई पारी में दो बार विलंब हुआ जिसके बाद मैच 48-48 ओवर का कर दिया गया। इससे इंग्लैंड को जीत के लिए 364 रन का लक्ष्य मिला। पर टीम 32वें ओवर में 142 रन पर सिमट गई जिसमें सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय 38 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। तेज गेंदबाज ओली स्टोन अपना छठा ही वनडे खेल रहे हैं।

फीफा विश्व कप | स्पेन की इस नई टीम की अगुवाई लगातार दो गोल्डन ब्वॉय पुरस्कार विजेता पेड्री और गावी करेंगे।

कोस्टारिका के खिलाफ कड़ी परीक्षा होगी स्पेन की युवा टीम की

एजेंसी ■ दोहा

स्पेन फीफा विश्वकप में अपने दूसरे खिताब की कवायद में बुधवार को जब कोस्टारिका का सामना करेगा तो इस टूर्नामेंट में उसके लिए नए युग की शुरुआत भी होगी क्योंकि उसकी टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं। स्पेन की इस नई टीम की अगुवाई लगातार दो गोल्डन ब्वॉय पुरस्कार विजेता पेड्री और गावी करेंगे। इन खिलाड़ियों की कोस्टारिका की अनुभवी टीम के सामने कड़ी परीक्षा होगी। कोस्टारिका ने अपनी टीम में कुछ उन खिलाड़ियों को शामिल किया है जिन्होंने उसे आठ साल पहले क्वार्टर फाइनल में पहुंचाने में मदद की थी। कोस्टारिका को उम्मीद है कि वह ब्राजील में आठ साल पहले खेले गए विश्वकप की सफलता को दोहराने में सफल रहेगा और चार साल पहले रूस में मिली निराशा से बचना चाहेगा। तब कोस्टारिका की टीम एक भी मैच नहीं जीत पाई थी और पहले दौर में ही बाहर हो गई थी। स्पेन भी 2018 के टूर्नामेंट की पुनरावृति से बचना चाहेगा जब उसे मेजबान रूस ने अंतिम 16 से आगे नहीं बढ़ने दिया था। पिछले विश्वकप में भाग लेने वाले कई दिग्गज खिलाड़ी अब टीम में नहीं हैं। इनमें सर्जियो रामोस, गेरार्ड पिके, एंड्रेस इनिएस्ता और डेविड सिल्वा शामिल हैं। इसके बजाय कोच लुइस एनरिक ने 19 वर्षीय पेड्री, 20 वर्षीय अनु फती और निको विलियम्स तथा स्पेन के सबसे युवा गोल स्कोरर 18 वर्षीय गावी पर दांव लगाया है। पेड्री ने कहा, मुझे लगता है पूरी टीम अपनी जिम्मेदारी समझती है और उसे निभाती है। मैं यह सोचकर खुद को राष्ट्रीय टीम का स्टार नहीं मानता क्योंकि दोहा में एक बड़े बोर्ड पर मेरी तस्वीर लगी है। मैं केवल खेल पर ध्यान दे रहा हूं और सही मानसिकता में रहना चाहता हूं तथा कोच मुझसे जो भी अपेक्षा रखते हैं उसे पूरी करना चाहता हूं। विश्व कप में खेलने वाली सबसे युवा टीम में स्पेन का नंबर अमेरिका और घाना के बाद तीसरा है। उसकी टीम की कुल औसत आयु 25.3 वर्ष है। उसकी टीम में छह खिलाड़ी ऐसे हैं जिनकी उम्र 20 वर्ष या इससे कम है और वे अपने पहले विश्वकप में खेल रहे हैं। लगातार तीसरे विश्वकप में खेल रहे कोस्टारिका ने अपनी टीम में 2014 में क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से पेनल्टी शूटआउट में हारने वाली टीम के कुछ खिलाड़ी रखे हैं।

सोशल मीडिया

ट्विटर से नाता तोड़ने की सोच रहे हैं तो सही तरीका जान लें

प्रौद्योगिकी समुदाय में आम धारणा यह है कि इंटरनेट को च्युइंग गम और डक्ट टेप से जोड़ा गया है। जिन ऐप्स, प्लेटफॉर्म और सिस्टम पर हम प्रतिदिन बातचीत करते हैं, विशेष रूप से लाखों या अरबों लोगों के साथ, वे अत्यधिक परिष्कृत होने का आभास दे सकते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि ऐसा करते हुए हम अक्सर अराजकता के कगार पर खड़े होते हैं।

कुछ हफ्तों की उथल-पुथल के बाद अब यह स्पष्ट हो गया है कि एलोन मस्क ट्विटर को उस दिशा में ले जाने का इरादा रखते हैं जो शायद इसके विविध उपयोगकर्ताओं की प्रचलित संस्कृतियों के साथ मेल न खाए। मस्क ने अब हाई-प्रोफाइल उपयोगकर्ताओं को बहाल करना शुरू कर दिया है (जिनमें डोनाल्ड ट्रम्प, एलेक्स जोन्स और कान्ए वेस्ट शामिल हैं) जिन्हें सामुदायिक मानकों का बार-बार उल्लंघन करने के कारण इस मंच से हटा दिया गया था। यह ट्विटर से कर्मचारियों के बड़े पैमाने पर पलायन के बाद आया है, जिसमें ऐसे हजारों लोग शामिल हैं जिन्हें मस्क ने एक ईमेल भेजकर कंपनी से निकाल दिया। इस्तीफे की ताजा लहर मस्क के एक अल्टीमेटम के बाद आई, जिसमें कहा गयाः कर्मचारियों को बेहद कड़े कामकाजी माहौल का सामना करना पड़ेगा (मस्क की फैलाई अव्यवस्था को ठीक करने के लिए)। यह सब उपयोगकर्ताओं के लिए एक बहुत ही अलग अनुभव की ओर इशारा करता है, जो अब प्लेटफॉर्म से हट रहे हैं और मास्टोडन जैसे विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। तो अब हमें कौन से खतरे देखने की संभावना है? और कोई ट्विटर को सुरक्षित रूप से कैसे छोड़ सकता है?

ट्विटरशटडाउन

इतने सारे अनुभवी कर्मचारियों के जाने के साथ, उपयोगकर्ताओं को बहुत मुमकिन लगता है कि आने वाले हफ्तों में ट्विटर महत्वपूर्ण और व्यापक बदलाव का अनुभव करेगा। एंटरप्राइज़ सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ और ट्विटर के अंदरूनी सूत्र पहले से ही चेतावनी दे रहे हैं कि विश्व कप चल रहा है, उसके बाद ट्विटर संदेशो की आवाजाही में होने वाली वृद्धि (और अवसरवादी दुर्भावनापूर्ण व्यवहार में कोई भी वृद्धि) ट्विटर को रोकने के लिए पर्याप्त हो सकती है। साइट के बंद होने की आशंका के अलावा, ऐसे जोखिम भी हैं जो साइबर हमले में उपयोगकर्ता के डेटा से छेड़छाड़ कर सकते हैं जबकि इससे सामान्य सुरक्षा उपाय कम हैं। इस साल अगस्त में ट्विटर पर बड़े पैमाने पर साइबर हमला हुआ था। एक हैकर 54 लाख उपयोगकर्ताओं के फोन नंबर और ईमेल पते सहित व्यक्तिगत विवरण निकालने में सफल रहा था।

किसी को यह नहीं सोचना चाहिए कि ऐसा होना असंभव है। हालांकि, प्रौद्योगिकी समुदाय में आम धारणा यह है कि इंटरनेट को च्युइंग गम और डक्ट टेप से जोड़ा गया है। जिन ऐप्स, प्लेटफॉर्म और सिस्टम पर हम प्रतिदिन बातचीत करते हैं, विशेष रूप से लाखों या अरबों लोगों के साथ, वे अत्यधिक परिष्कृत होने का आभास दे सकते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि ऐसा करते हुए हम अक्सर अराजकता के कगार पर खड़े होते हैं। बड़े पैमाने पर सामाजिक सॉफ्टवेयर का निर्माण और रखरखाव करना शार्क के हमले के दौरान खुले पानी पर एक नाव बनाने जैसा है। इस तरह के सॉफ़्टवेयर सिस्टम को चालू रखने के लिए डिज़ाइनिंग टीमों की आवश्यकता होती है जो पर्याप्त पानी को बाहर निकालने के लिए एक साथ काम कर सकें, जबकि अन्य पतवार को मजबूत करते हैं, और कुछ आने वाले खतरों की ओर देखते हैं।

नाव का स्वरूप बदलने के जोश में, मस्क ने उन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स को निकाल दिया जो जानते थे कि कील और हथौड़े कहाँ रखे जाते हैं, उस टीम का भी अता पता नहीं है जो शार्क के चारे और मस्तूलों पर नज़र रखने का काम करती थी। क्या उसका पहले से ही परेशान और जोखिम का सामना कर रहा कार्यबल जहाज को डूबने से बचाने के लिए छेदों को तेजी से बंद कर पाएगा? हमें आने वाले हफ्तों में पता चलने की संभावना है। यदि ट्विटर अपने को बचाए रख पाता है, तो इसका श्रेय एक मजबूत प्रणाली के निर्माण के लिए उन पूर्व कर्मचारियों में से कई को जाता है, जिसे बहुत कम स्टाफ के साथ भी सुचारू रूप से चलाया जा सकता है।

अभद्र भाषा और गलत सूचना वापस आ गई है

ट्विटर के इस दावे के बावजूद कि इस प्लेटफार्म पर अभद्र भाषा को कम किया जा रहा है, हमारा विश्लेषण बताता है कि यह बढ़ रहा है। और हम अकेले शोधकर्ता नहीं हैं जो अभद्र भाषा में वृद्धि देख रहे हैं। एक सहकर्मी-समीक्षित अभद्र भाषा शब्दकोश का उपयोग करते हुए, हमने 15 घृणित शब्दों की मात्रा को ट्रैक किया और मस्क के अधिग्रहण के बाद स्पष्ट वृद्धि देखी। गलत सूचनाएं भी बढ़ रही हैं। ब्लू टिक सत्यापन में मस्क के तेजी से बदलाव के बाद, नकली अकाउंट और भ्रामक ट्वीट्स की वृद्धि के साथ साइट पर अजीब अफरा-तफरी देखी गई। इस रिपोर्ट के साथ कि पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में केवल एक कामकाजी सामग्री मॉडरेटर बचा है, ट्विटर पर झूठी और भ्रामक सामग्री बढ़ने की संभावना है - विशेष रूप से गैर-अंग्रेज़ी-भाषी देशों में, जो विशेष रूप से अनियंत्रित गलत- और दुष्प्रचार के हानिकारक प्रभावों के जोखिम में हैं। यदि यह सब आने वाली समस्या का संकेत जैसा लगता है, और आप इससे बाहर निकलना चाहते हैं, तो आपको क्या करना चाहिए?

अपना सामान बांध लें

सबसे पहले, आप अपनी ट्विटर गतिविधि का एक संग्रह डाउनलोड कर सकते हैं। यह सेटिंग्स- सेटिंग्स एंड सपोर्ठ सेटिंग्स एंड प्राइवेसी- युअर अकाउंट अपने डेटा का संग्रह डाउनलोड करने के लिए क्लिक करके किया जा सकता है। ट्विटर को इस संग्रह को संकलित करने और आपको भेजने में कई दिन लग सकते हैं। और यह आपकी गतिविधि के स्तर के आधार पर कई गीगाबाइट तक हो सकता है।

दरवाज़ा बंद करें

अपने संग्रह की प्रतीक्षा करते हुए, आप अपने खाते की सुरक्षा करना शुरू करें। यदि आपका खाता सार्वजनिक था, तो अब इसे सुरक्षित करने के लिए स्विच करने का समय है। सुरक्षित मोड में आपके ट्वीट अब प्लेटफॉर्म से बाहर खोजे नहीं जा सकेंगे। केवल आपके मौजूदा फॉलोअर्स ही उन्हें मंच पर देखेंगे। यदि आप ट्विटर की जगह किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट होने की योजना बना रहे हैं, तो आप अपने बायो में एक नोटिस और अपने नए उपयोगकर्ता नाम को शामिल करके इसका संकेत दे सकते हैं। लेकिन ऐसा करने से पहले, यह सोच लें कि आपको परेशान करने वाले कुछ फॉलोअर्स भी आपके पीछे आने का प्रयास करेंगे।

चेक आउट

एक बार जब आप अपना ट्विटर संग्रह डाउनलोड कर लेते हैं, तो आप अपनी इच्छानुसार प्लेटफ़ॉर्म से किसी भी ट्वीट को हटा सकते हैं। हमारे सहयोगियों में से एक, फिलिप माई ने इस चरण में सहायता के लिए एक निःशुल्क टूल विकसित किया है। आपको प्रत्येक डीएम वार्तालाप को अलग-अलग हटाना होगा, वार्तालाप थ्रेड के दाईं ओर क्लिक करके और वार्तालाप हटाएँ का चयन करके। ध्यान दें कि यह केवल इसे आपकी ओर से हटाता है। डीएम थ्रेड के दूसरे छोर का सदस्य अभी भी आपकी गतिविधि देख सकता है।

अपना खाता पार्क करें

कई उपयोगकर्ताओं को अपने खाते को पूरी तरह से निष्क्रिय करने के बजाय उसे पार्क करने की सलाह दी जाती है। पार्किंग का मतलब है कि आप अपना अधिकांश डेटा साफ़ कर देते हैं, अपना उपयोगकर्ता नाम बनाए रखते हैं, और इसे प्लेटफ़ॉर्म पर जीवित रखने के लिए हर कुछ महीनों में लॉग इन करते रहते हैं। यह अन्य (शायद दुर्भावनापूर्ण) उपयोगकर्ताओं को आपके नाम पर खाता बनाने और आपका प्रतिरूपण करने से रोकेगा। पार्किंग का अर्थ है कि ट्विटर कुछ विवरणों को बनाए रखेगा, जिसमें संभावित रूप से संवेदनशील डेटा जैसे आपका फ़ोन नंबर और आपके द्वारा संग्रहीत अन्य जैव जानकारी शामिल है। इसका मतलब यह भी है कि परिस्थितियों में सुधार होने पर प्लेटफ़ॉर्म पर वापसी करना मुश्किल नहीं होगा।

यदि आप निष्क्रिय करने का निर्णय लेते हैं, तो जान लें कि इसका मतलब यह नहीं है कि आपके सभी विवरण आवश्यक रूप से ट्विटर के सर्वर से मिटा दिए गए हैं। अपनी सेवा की शर्तों में, ट्विटर नोट करता है कि यह खाता निष्क्रिय करने के बाद कुछ उपयोगकर्ता जानकारी को बनाए रख सकता है। साथ ही, एक बार आपका खाता समाप्त हो जाने के बाद, आपका पुराना उपयोगकर्ता नाम उपयोग में लाया जा सकता है।

ताले मजबूत करें

यदि आपने पहले से नहीं किया है, तो अब आपके ट्विटर खाते को दोहरी सुरक्षा देने का समय है। आप सेटिंग्स- सिक्योरिटी एंड अकाउंट एक्सेस सिक्योरिटी- टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन पर क्लिक करके ऐसा कर सकते हैं। यह आपके अकाउंट को हैक होने से बचाने में मदद करेगा। अतिरिक्त पासवर्ड सुरक्षा भी एक अच्छा विचार है, आप अपने पासवर्ड को इस तरह बदले जो आपके ऑनलाइन इस्तेमाल किए जाने वाले अन्य पासवर्ड से एकदम अलग हो। एक बार यह हो जाने के बाद आप जब चाहें इस चिड़िया से नाता तोड़ने के बारे में फैसला कर सकते हैं।

द कन्वरसेशन

मोटिवेशन

सही लक्ष्य हासिल करने के लिए फोकस करना जरूरी

हमें यह कैसे पता चलेगा कि सबसे पहले कौन-से लक्ष्य पर फोकस करना चाहिए? यहां हम कुछ बुनियादी बातों पर चर्चा करेंगे, जिस पर ध्यान देकर आप पता कर सकते हैं कि सही दिशा में मेहनत कर रहे हैं या नहीं। साथ ही यह भी ध्यान रख सकते हैं कि कहां आपको रणनीति बदलनी है, जिससे आपकी कड़ी मेहनत का फल मिल सके।

कंपनी का विजन क्या है, जानें फिर लक्ष्य तय करें

अगर आप एक कर्मचारी हैं, तो अपने बॉस से यह पूछें कि इस साल का सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य क्या होना चाहिए। अगर आप किसी कंपनी के लीडर हैं, तो आने वाले कुछ सालों की रणनीति तय करें। उदाहरण के तौर पर अगर अगले तीन साल तक के लिए आपका मुख्य उद्देश्य या मुख्य लक्ष्य केवल व्यवसाय की सेल्स को बढ़ाने का है तो आपको इस साल से ही तैयारी शुरू करनी होगी।

टाइमलाइन बनाएं

लक्ष्य को हासिल के लिए दूरदृष्टि रखना चाहते हैं, तो क्रोनोलॉजिकल ऑर्डर में चीजें तय करते चले जाएं। लॉन्ग-टर्म प्लान के बारे में भी विचार करें। साथ ही यह भी विचार करें कि इस प्लान को लागू करने के लिए आपको किन चीजों को बदलना पड़ सकता है और किन चीजों को लागू करना पड़ सकता है। इस तरह से एक टाइमलाइन तैयार करें।

'की-स्टोन' लक्ष्य जरूर तय करें

अक्सर ऐसा होता है कि एक लक्ष्य को हासिल करने के बाद ही आपके अंदर किसी भी अन्य लक्ष्य को हासिल करने का आत्मविश्वास आ जाता है। उदाहरण के तौर पर बड़े-बड़े प्रकाशन के लिए लिखते रहने से आपको कोई कंसल्टिंग बिजनेस हासिल करने, स्पीच देने के प्लेटफॉर्म हासिल करने या किताबों की सेल्स बढ़ाने में हर जरूरी मदद मिल जाती है। इसलिए अपना 'की-स्टोन' लक्ष्य जरूर तय करें।

निर्धारित समय के लिए लक्ष्य पर फोकस करें

अगर आपको ऐसा महसूस होता है कि आप ज्यादा कुछ नहीं कर पा रहे हैं या सही दिशा में काम नहीं कर रहे हैं तो ऐसे में आप अपने लिए 'चर्न एंड बर्न' फिनोमिना क्रिएट कर सकते हैं। हो सके तो 'विलफुल मायोपिया' को भी विकसित करें और खुद को एक निर्धारित समय के लिए केवल एक ही लक्ष्य पर फोकस करने के लिए बाध्य करें। यह समय 6-8 महीने का भी हो सकता है।

जानकारी

सिविल सेवा और एमबीए में अंतर

सिविल सर्विसेज और मैनेजमेंट जॉब में आखिर क्या ऐसी खास बातें हैं जिससे यह लोगो को अपनी और आकर्षित करती हैं, आइए जानते हैं इस बारे में।

सिविल सर्विस से देश के नीति निर्माण में सहयोग कर सकते हैं

सिविल सर्विसेज में केवल बढ़िया वेतन, जॉब सिक्योरिटी ही नहीं होती बल्कि देश के प्रशासन में शीर्ष पर पहुंचने का भी अवसर मिलता है और सामाजिक प्रतिष्ठा भी मिलती है। सिविल सर्विसेज में आप अपने समाज अपने देश के लिए कुछ अच्छा कर सकते हैं। आये दिन आपको ऐसे सिविल ऑफिसर्स के बारें में सुनने को मिलता है जिन्होंने देश की भलाई के लिए बहुत से सुधार किए जैसे कि एक सिविल ऑफिसर के प्रयास से ही बंधुआ श्रम व्यवस्था (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 जैसा कानून बना। हमारे देश से नक्सलवाद की समस्या को सुलझाने का प्रयास भी एक सिविल ऑफिसर के द्वारा ही किया गया इसी वजह से यह सेवा अभ्यर्थियों को काफी आकर्षित करती है।

मैनेजमेंट कोर्सेज बनाते हैं मल्टीस्किल्स का मालिक

हमारे देश में बहुत सारे इकोनॉमिक अप्स एंड डाउंस होने के बाद भी एम.बी.ए. एक पॉपुलर कोर्स है मैनेजमेंट कोर्सेज आपकी प्रेजेंटशन स्किल्स को बढ़ाते है। ह्यूमन रिसोर्सेज़ का सही से उपयोग करना सिखाते है। जॉब्स में एम.बी.ए. डिग्री-होल्डर को कई बार प्रेफरेंस दी जाती है।

सिविल सेवा से हर क्षेत्र में कार्य करने का मिलता है अनुभव

शायद ही ऐसी कोई फील्ड होगी जिसमे इतने ढेर सारे क्षेत्रों में कार्य करने का अवसर मिलता है सिविल ऑफिसर के रूप में आप एक साथ स्वास्थ्य, कृषि शिक्षा, प्रबंधन जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विकास में योगदान कर सकते हैं जो किसी और सेक्टर की जॉब में सम्भव नहीं है।

मैनेजमेंट कोर्स

एमबीए करने के बाद आपको एक ग्लोबल एक्सपोजर मिलता है आप किसी भी देश में आसानी से जॉब पा सकते है अगर अपने किसी अच्छे मैनेजमेंट कॉलेज से अपना ग्रेजुएशन किया है तो आपको मल्टीनेशनल संस्थानों में मैनेजेरियल पोस्ट बहुत आसानी से मिल सकती है।

जहां एमबीए करने के बाद आपको हाई सैलरी, कॅरियर प्रोग्रेस, कॉरपोरेट नेटवर्किंग के अवसर, क्राइसिस मैनेजमेंट करने के अवसर मिलते हैं तो वही सिविल सर्विसेज के माध्यम से आपको देश के नीति-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का मौका मिलता है, उच्च सामाजिक प्रतिष्ठा मिलती है, प्रशासन में शीर्ष पर पहुंचने के अवसर, देश को आगे बढ़ाने के अवसर मिलते है यही वजह है कि दूसरे क्षेत्रों में सफल लोग भी इस सेवा के प्रति आकर्षित होते हैं। कुल मिलाकर दोनों ही क्षेत्रों में टैलेंट और कड़ी मेहनत के दम पर ही आप अच्छा काम कर सकते है।

एडमिशन

दिल्ली : निजी स्कूलों में नर्सरी दाखिले की प्रक्रिया एक दिसंबर से होगी शुरू

राष्ट्रीय राजधानी के निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए प्रवेश स्तर की कक्षाओं में दाखिला प्रक्रिया एक दिसंबर से शुरू होगी। शिक्षा निदेशालय ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 23 दिसंबर है जबकि चयनित अभ्यर्थियों की पहली सूची 20 जनवरी को घोषित की जाएगी। निदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा, सत्र 2023-24 के लिए दिल्ली के निजी गैर सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त स्कूलों में खुली सीटों के लिए प्री-स्कूल, प्री-प्राइमरी और पहली कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया एक दिसंबर से शुरू होगी। उसमें कहा गया है, दाखिले के लिए चयनित किए गए बच्चों की पहली सूची 20 जनवरी को जारी की जाएगी। इसी के साथ प्रतीक्षा सूची भी जारी की जाएगी। वहीं दूसरी सूची छह फरवरी को जारी की जाएगी। सभी स्कूल दाखिले के लिए उपलब्ध सीटों के साथ प्रवेश स्तर की सभी कक्षाओं का विवरण 16 दिसंबर तक घोषित करेंगे। अधिसूचना में कहा गया है, सभी निजी गैर सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त स्कूल 28 नवंबर तक प्रवेश के लिए अपने मानदंड जारी करेंगे।

आईआईएम बैंगलोर ने ईडीजीई कैंपस प्रोग्राम का सातवां संस्करण जीता, एनआईडी बैंगलोर और आईआईएफटी दूसरे स्थान पर रही

सैमसंग ईडीजीई के सातवें संस्करण में आईआईएम बैंगलोर की टीम ट्रांसेंडेंस के श्रेयस एस, अमृता सिंह और शिंदे चैतन्य शरद ने प्रथम पुरस्कार जीता। भारत के उपभोक्ताओं के बीच आईओटी उपकरणों को अपनाने के लिए उनके नवीन और अनूठे सॉल्युशन ने जूरी को सबसे ज्यादा प्रभावित किया और उन्होंने 450,000 रुपए का नकद पुरस्कार जीता। उन्हें सैमसंग के फ्लैगशिप स्मार्टफोन और सैमसंग की ओर से प्री–प्लेसमेंट ऑफर भी दिए गए। एनआईडी बैंगलोर की टीम सृजन फुल मोशन वीडियो के माध्यम से गेमिफिकेशन द्वारा उपभोक्ताओं के साथ सीधे संवाद के आधुनिक माध्यमों के लिए अपने डिजाइन सोल्युशन के साथ दूसरे स्थान पर रही। उन्होंने 300,000 रुपये का नकद पुरस्कार और सैमसंग के साथ प्री–प्लेसमेंट इंटरव्यू का ऑफर दिया गया। आईआईएफटी की टीम जी.यू.जी. इन–स्टोर स्मार्ट होम मॉडल और मेटावर्स एक्सपीरियंस स्टोर के माध्यम से उपभोक्ताओं को कनेक्टेड डिवाइस इकोसिस्टम का अनुभव करने में सक्षम बनाने वाले अपने सोल्युशन के साथ तीसरे स्थान पर रही।

जॉब रिपोर्ट

दो जगह काम करने को अनैतिक मानते हैं अधिकांश कर्मचारी

देश में नियमित नौकरी के साथ-साथ अंशकालिक तौर पर दूसरी जगह काम करने को लेकर जारी चर्चा के बीच ज्यादातर कर्मचारियों का मानना है कि वे इसमें शामिल नहीं होना चाहते और इसे अनैतिक मानते हैं। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। नौकरी की जानकारी देने वाली वेबसाइट इनडीड ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि सर्वे में शामिल कर्मचारियों में 81 प्रतिशत नियमित नौकरी के साथ अलग समय में दूसरी जगह काम करने यानी मूनलाइटिंग को सही नहीं मानते और वे अपने मौजूदा कार्य के साथ दूसरी कंपनी के लिए काम नहीं करना चाहते। वहीं 19 प्रतिशत मूनलाइंटिंग चाहते हैं।

इनडीड की यह रिपोर्ट वैलूवॉक्स के 1,281 नियोक्ताओं और 1,533 नौकरी चाहने वाले लोगों और कर्मचारियों के बीच किए गए सर्वे पर आधारित है। यह सर्वे इस साल जुलाई-सितंबर के दौरान किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, 37 प्रतिशत कर्मचारी नौकरी जाने की आशंका से अंशकालिक तौर पर दूसरी जगह भी काम करने को तरजीह दे रहे हैं। वहीं 27 प्रतिशत अतिरिक्त आय के लिए इसे पसंद कर रहे हैं। हालांकि, नियोक्ताओं के इस मामले में राय अलग हैं। करीब 31 प्रतिशत नियोक्ताओं का मानना है कि कर्मचारी का अंशकालिक तौर पर दूसरी जगह काम करने का कारण यह है कि वे अपने काम से पूर्ण रूप से जुड़ नहीं पाते। वहीं 23 प्रतिशत का कहना है कि कर्मचारियों के पास दूसरी नौकरी के लिए पर्याप्त समय है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि तनाव और काम के दबाव के कारण कर्मचारियों में चुपचाप नौकरी छोड़ने की भी प्रवृत्ति बढ़ रही है। सर्वे में शामिल 33 प्रतिशत नियोक्ताओं का मानना है कि नीरसता और चुनौतियों की कमी समेत नौकरी को लेकर संतुष्टि नहीं होना प्रमुख कारण है, जिससे कर्मचारी नौकरी छोड़ रहे हैं। वहीं 21 प्रतिशत का मानना है कि यह रोजगार को लेकर प्रतिबद्धता की कमी को बताता है। इनडीड इंडिया के बिक्री प्रमुख शशि कुमार ने कहा, काम की दुनिया अभी बदलाव के दौर में है। कार्य को लेकर नया चलन उभर रहा है, ऐसे में आने वाले समय में हम इस तरह के और रुझान देख सकते हैं।

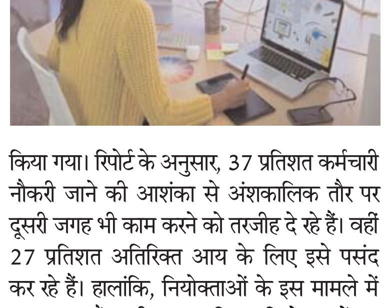

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अशोक कुमार द्वारा राज तरूण आफसेट, एलजीएफ 5-14, अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा ग्राम भुसना, पोस्ट भुसना, तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर (उ0प्र0) से प्रकाशित। **सम्पादक : अशोक कुमार (मो. 9651086162) उप सम्पादक : प्रमोद कुमार शुक्ल (मो. 9450497420)**। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सभी विवाद सीतापुर न्यायालय के आधीन होंगे।